RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 165 , मंगलवार, 28 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नेपाल-बिहार की बेटियों ने मेहंदी प्रतियोगिता में दिखाई रचनात्मक प्रतिभा : आशीष अग्रवाल 03

इको क्लब के बैनर तले चला पर्यावरण संरक्षण अभियान 04

मां इंटी बंगारम ने बनाया रिकॉर्ड, बनी 2026 की तमिल की मोस्ट... 07

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर 'सुप्रीम' आदेश

- नई एसआईटी गठित, सीए भी होगा सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच की सामने यूपी सरकार ने इस मामले पर अपना पक्ष रखा। राज्य सरकार की तरफ से पैरवी कर रहे

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि मामले की निष्पक्ष तरीके से जांच के लिए एसआईटी का दुबारा गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के दिए गए निर्देशों को अपनाते हुए नई गठित एसआईटी में वरिष्ठ अधिकारीयों को शामिल किया गया है। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक लखनऊ रेंज के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस को जांच विभाग का प्रमुख बनाया गया है। साथ ही तीन सदस्यीय एसआईटी में दो सीनियर अधिकारियों को शामिल किया गया है।

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट पर दिल्ली पुलिस का ऐक्शन

पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स हटाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भेजे जाएंगे नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक,

पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सकती है। इन नोटिस के जरिए पुलिस आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स को हटाने की मांग करेगी। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद अपलोड किए गए कंटेंट की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के बाद अभद्र प्रकृति वाली पोस्ट को हटाने के लिए संबंधित प्लेटफार्म्स को नोटिस भेजे जाएंगे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग नोटिस दिए जाएंगे।

धनुष भी थलपति विजय की तरह राजनीति में लेंगे एंट्री!

इवेंट में भाषण के दौरान 'जनता की भलाई' का किया इशारा

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ के स्टार एक्टर-डायरेक्टर धनुष ने एक बार फिर राजनीति में आने की अटकलों को हवा दी है। उन्होंने अपने फैन्स से कहा कि वे सिर्फ फिल्मों से जुड़े जश्न तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपनी एकता का इस्तेमाल जनसेवा के लिए करें। फैन्स के आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में कही गई उनकी ये बातें

वायरल हो गईं। इसके बाद कई लोग सोचने लगे कि क्या वह भी थलपति विजय के नक्शेकदम पर चल रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में राजनीति में कदम रखा और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। इस इवेंट में अपने फैन्स से बात करते हुए धनुष ने एकता की ताकत के बारे में बताया और उनसे अपील की कि वे जरूरतमंद लोगों की मदद करके समाज में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा, इतने सारे लोग एक जगह जमा हुए हैं। इस तरह की एकता में बहुत ताकत होती है। हमें इस एकता को एक मकसद देना होगा। सिर्फ ऑडियो लॉन्च से काम नहीं चलेगा।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं

- सुप्रीम कोर्ट बोला-आंदोलन एक संवैधानिक अधिकार है
- कहा-प्रोटोकॉल तय हो, पुलिस से मारपीट भी चिंताजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने साथ ही कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है और सरकार से इस पर जवाब मांगा जा सकता है। अब कोर्ट मंगलवार को इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की। ये याचिकाएं 20 जुलाई को कॉकरोच जनता

पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च से जुड़ी हैं। पुलिस-रैपिड एक्शन फोर्स ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले छोड़े, पथराव भी हुआ। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी घायल हुए। 100 से ज्यादा लोगों को चोटें आई थीं।

- संसद मार्च में हुआ था लाठीचार्ज, 100 से ज्यादा घायल थे- कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे। इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि पुलिस ने शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर को खाली करा लिया। लेकिन, रात समर्थक जंतर-मंतर पहुंचे और फिर से प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

दुबई-मुंबई इंडिगो फ्लाइट की राजकोट में इमरजेंसी लैंडिंग

- कार्गो कंपार्टमेंट से धुआं निकलने पर पायलट ने प्लेन उतारा

अहमदाबाद (एजेंसी)। दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो फ्लाइट की गुजरात के राजकोट में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, फ्लाइट में धुआं देखा गया था, जिसके बाद इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया गया। इमरजेंसी लैंडिंग की जानकारी मिलके ही राजकोट एयरपोर्ट अथॉरिटी तुरंत हाई अलर्ट पर आ गए। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन भी हरकत में आ गया। राजकोट एयरपोर्ट के रवने पर इमरजेंसी सेफ्टी प्रोटोकॉल एक्टिव कर दिए गए हैं। इसके अलावा राजकोट फायर डिपार्टमेंट की कई गाड़ियां और पानी के टैंकर हवाई अड्डे के रनवे पर तैनात किए गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए पुलिस के आला आधिकारी सहित एम्बुलेंस और डॉक्टरों की टीम भी एयरपोर्ट पर मौजूद है। इसी साल 5 मई को पंजाब के मोहाली स्थित शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइ लैंड होने के तुरंत बाद ही एक पैसेंजर के पावर बैंक में ब्लास्ट हो गया था। इससे पैसेंजर्स के बीच अफरातफरी मच गई थी। आनन-फानन में पैसेंजर्स को इमरजेंसी डोर से बाहर निकाला गया था। विमान में 198 यात्रियों और छह क्रू सदस्य शामिल थे।

एंटी पेपर लीक संशोधन बिल लोकसभा में पेश

- पेपर लीक किया तो अब होगी 10 साल की जेल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लोकसभा में एंटी पेपर लीक संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया है। इसका मकसद पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा में होने वाली धांधली पर पहले से कहीं ज्यादा सख्ती करना है। प्रस्तावित कानून के तहत संगठित पेपर लीक के मामलों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही जांच और सुनवाई को भी तय समय में पूरा करने का प्रावधान किया गया है। जब देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक को लेकर छात्रों का भारी विरोध प्रदर्शन हुआ, यही कारण है कि यह बिल लाया गया। सरकार का कहना है कि इससे छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

पेपर लीक पर अब 10 साल तक की जेल

सबसे बड़ा बदलाव सजा में किया गया है। संगठित तरीके से पेपर लीक कराने या नकल गिरोह चलाने वालों को अब अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। पहले यह सजा 5 साल तक थी। सरकार का मानना है कि ऐसे मामलों के पीछे संगठित गिरोह काम करते हैं, इसलिए कड़ी सजा जरूरी है।

- केवल छात्र नहीं, एजेंसियां भी होंगी जिम्मेदार- यदि परीक्षा कराने वाली एजेंसी, सर्विस प्रोवाइडर, तकनीकी कंपनी या कोई अधिकारी लापरवाही या मिलीभगत का दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इससे पूरी परीक्षा व्यवस्था की जवाबदेही तय होगी। बिल में जांच एजेंसियों को ज्यादा अधिकार देने, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाने और फास्ट ट्रैक अदालतों में मामलों की जल्द सुनवाई का प्रावधान किया गया है। सरकार का मकसद है कि पेपर लीक के मामलों का जल्दी निपटारा हो और सजा मिले।

एक और सुसाइड

अब महाराष्ट्र की छात्रा ने दी जान

- जंतर-मंतर में सीजेपी आंदोलन के बाद आया पहला केस
- नोट में लिखा-सपना अधूरा रह गया, अब तक 23 की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली। नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद सुसाइड का यह पहला मामला है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।

अंकिता को री-एग्जाम में 166 मार्क्स मिले- अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था।

एके-47 से फायरिंग करने वाला पुलिसकर्मी सस्पेंड

- बिहार में एसपी के बॉडीगार्ड ने भीड़ की ओर चलाई थी गोलियां

सीवान (एजेंसी)। छात्रों पर लाठीचार्ज और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर 25 जुलाई को बिहार बंद बुलाया गया। इस दौरान पूरे प्रदेश में जमकर हंगामा और बवाल हुआ। 11 जिलों से पथराव और लाठीचार्ज की खबर आई। सबसे ज्यादा हंगामा सीवान में हुआ। जहां प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की गई। अब इस मामले में कार्रवाई हुई है, सीवान में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान एके-47 से फायरिंग करने वाले एसपी पूरन झा के बॉडीगार्ड अभिषेक पटेल को सस्पेंड कर दिया गया है। फायरिंग में तीन छात्रों को गोली लगी थी।

- ब्रेन डेड आर्टिस्ट की किडनियां और लिवर इंदौर में ट्रांसप्लांट, आई बैंक को दीं आंखें

अहमदाबाद के युवक के सीने में धड़केगा गौरव का दिल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में खजूरी बाजार निवासी सतीश दवे और कविता दवे के 25 वर्षीय बेटे गौरव को 13 जुलाई को अचानक ब्रेन हेमरेज हुआ। उन्हें राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने इलाज किया, लेकिन गौरव की हालत नहीं सुधरी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत दो बार मेडिकल चेकअप के बाद स्पेशलिस्ट टीम ने गौरव को रविवार रात ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जवान बेटे को खोने के दर्द के बीच ही दवे परिवार ने ऐसा फैसला लिया, जिसने कई लोगों की जिंदगी में नई उम्मीद जगा दी। परिवार की सहमति से गौरव का हार्ट, लिवर, किडनियां और आंखें दान की गई हैं। इसके लिए सोमवार को इंदौर में 68वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में मेरा कोई रोल नहीं:गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने में उनका कोई रोल नहीं है। ये दोनों प्रोजेक्ट पूरी तरह से केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हैं। दरअसल मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल पर एथेनॉल मामले में गडकरी के कई सारे एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो वायरल हो रहे हैं। गडकरी ने याचिका में कहा है कि इन वीडियो में उन्हें एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम और ई20 पहल से गलत तरीके से जोड़ा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को डिजिटल कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी है। अब गडकरी मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स और गूगल कंपनी के खिलाफ सिविल सुट दायर कर सकते हैं। भारत में 20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के इस मिश्रण (ई 20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है और इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

सरकारी मंत्रालयों को भी बनाया गया प्रतिवादी- इस मामले में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार मंत्रालय को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी ने स्पष्ट किया है कि इस मुकदमे का उद्देश्य सार्वजनिक चर्चा या आलोचना को रोकना नहीं है।

'शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही' बन सकते हैं प्राथमिकता

सीजेपी प्रोटेस्ट का दिल्ली की राजनीति पर होगा व्यापक असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर शुरू हुआ युवाओं का आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भले ही खत्म हो गया हो लेकिन इसका असर सिर्फ शिक्षा व्यवस्था तक सीमित रहने की संभावना नहीं है। जिस तरह दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर के युवाओं ने इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, उसके बाद माना जा रहा है कि इसका दूरगामी असर दिल्ली की राजनीति पर भी देखने को मिलेगा। खासकर शिक्षा, रोजगार, शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दे प्राथमिकताओं में शामिल हो सकते हैं।

युवा वोटर्स को देखते हुए बदलनी पड़ सकती है चुनावी रणनीति

इसकी एक बड़ी वजह दिल्ली में युवाओं की मजबूत चुनावी हिस्सेदारी भी है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली की वोटर लिस्ट में 18 से 29 साल के वोटर्स की हिस्सेदारी करीब 19 फीसदी है। इनमें 18 से 25 साल के युवाओं की संख्या लगभग 12 से 15 लाख के बीच है। यही वर्ग चुनावों में बढ़-चढ़कर वोट भी करता है। ऐसे में माना जा रहा है कि इस आंदोलन के बाद युवा वर्ग भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल की जीत या हार तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इस आंदोलन ने बड़ी संख्या में मौजूद इस साइलेंट वोटर वर्ग को राजनीतिक रूप से अधिक जागरुक और मुखर बनाया है।

जंतर मंतर पर हुआ आंदोलन युवाओं की भागीदारी के कारण ही सफल रहा

अब तक दिल्ली की राजनीति मुख्य रूप से फ्री बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ट्रांसपोर्ट और बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। पिछले डेढ़ दशक में कई वर्गों के लिए कल्याणकारी और फ्री योजनाओं पर भी सभी राजनीतिक पार्टियों का खास जोर रहा है। हालांकि अब माना जा रहा है कि युवाओं के इस आंदोलन के बाद स्कूली शिक्षा में सुधार, कॉलेजों में सीटों की बढ़ोतरी, प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता, परीक्षा प्रणाली में सुधार, रोजगार के अवसर और जवाबदेही जैसे मुद्दे भी मुख्यधारा की राजनीति में प्रमुख स्थान पा सकते हैं। राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि आने वाले समय में उम्मीदवारों के चयन में युवाओं की भागीदारी बढ़ सकती है। खासकर 35 से 40 वर्ष आयु वर्ग के राजनीतिक रूप से सक्रिय युवाओं को चुनावी राजनीति में पहले की तुलना में अधिक अवसर मिल सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दहेज हत्या में फरार ससुर के घर इश्तेहार चस्पा

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र में एक चर्चित दहेज हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। न्यायालय के आदेश पर फरार अभियुक्त गरीबनाथ शर्मा के घर इश्तेहार चस्पाया गया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में आत्मसमर्पण न करने पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, रामपुर दिलावर निवासी सुबोध कुमार मिश्रा ने 13 मई 2021 को अपनी बेटी अन्नु कुमारी की शादी बिरोपुर निवासी राकेश कुमार से की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही राकेश कुमार, उसके पिता गरीबनाथ शर्मा, मां मुन्नी देवी, बहन सुमन कुमारी और बहनोई रवि कुमार अन्नु को दहेज में बोलेरो गाड़ी की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। शिकायतकर्ता ने बताया कि कई बार सामाजिक स्तर पर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया, लेकिन ससुराल पक्ष अपनी मांग पर अड़ा रहा। दहेज न मिलने पर अन्नु को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दी जाती थीं। दर्ज शिकायत के अनुसार, 17 मार्च 2026 की रात अन्नु कुमारी ने अपने पिता को फोन पर बताया था कि उसके पति, सास और ससुर उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। अगले दिन सुबह उसके पति राकेश कुमार ने फोन कर अन्नु की मौत की सूचना दी। जब परिजन उसके ससुराल पहुंचे, तो अन्नु का शव घर के हॉल में सोफे पर पड़ा मिला। उस समय घर के अन्य सदस्य वहां मौजूद नहीं थे। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजा। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की हत्या पति राकेश कुमार, ससुर गरीबनाथ शर्मा, सास मुन्नी देवी, ननद सुमन कुमारी और बहनोई रवि कुमार ने दहेज की मांग पूरी न होने पर एक सुनियोजित साजिश के तहत की है। मामले के दर्ज होने के बाद से गरीबनाथ शर्मा फरार चल रहा था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद न्यायालय से इश्तेहार जारी होने पर पुलिस ने विधि सम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए उसके घर पर इश्तेहार चस्पाया।

पर्यटन मंत्री के बेटे से 50 लाख की रंगदारी मांगी, एक ही नंबर से 4 दिन में तीन भाजपा नेताओं को धमकी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर भाजपा नेताओं को धमकी देकर रंगदारी मांगने के मामलों में बड़ा खुलासा हुआ है। बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के बेटे और भाजपा नेता कृष्ण मुरारी से 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में एसआईटी ने चार आरोपियों की पहचान कर ली है। इनमें से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 21 से 24 जुलाई के बीच एक ही मोबाइल नंबर से जिले के तीन भाजपा नेताओं से कुल दो करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी, जिससे पूरे जिले में दहशत का माहौल बन गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि 8476841620 नंबर से व्हाट्सएप के जरिए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी भरे संदेश भेजे गए। टूकॉलर पर यह नंबर 'आमिर रजा' के नाम से प्रदर्शित हो रहा है। इसी नंबर से पर्यटन मंत्री के पुत्र कृष्ण मुरारी, साहेबगंज के जिला पार्षद एवं भाजपा नेता इंजीनियर राजेश सहनी और ब्रह्मपुरा के भाजपा नेता रंजीत सहनी से रंगदारी मांगी गई। पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के पुत्र कृष्ण मुरारी ने सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि 24 जुलाई की रात करीब 10:20 बजे उनके व्हाट्सएप पर मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने खुद को मुंबई से संचालित लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी ने चार आरोपियों की पहचान की। इनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में कुढ़नी के किशुनपुर बलौर निवासी एवं डीटीओ कार्यालय में संविदा पर कार्यरत अमन प्रकाश, ब्रह्मपुरा निवासी पवन सहनी और कांटी निवासी कन्हाई कुमार शामिल हैं। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि यही गिरोह पटना में भी एक विधायक, डॉक्टर और अन्य जनप्रतिनिधियों को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर रंगदारी की धमकी भेज चुका है। इस इनपुट के आधार पर पुलिस गिरोह के नेटवर्क और तकनीकी साक्ष्यों की गहराई से जांच कर रही है।

महिला गैंग ने 2.5 लाख की चेन गायब की, ऑटो में बैठी थी पीडब्ल्यूडी की लिपिक

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में ऑटो सवार महिला की 2.50 लाख की सोने की चेन गायब हो गई। पीड़िता पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) की लिपिक हैं। पीड़िता वीणा देवी ने कहा कि मैं हाजीपुर की रहने वाली हूं। मुजफ्फरपुर कचहरी परिसर स्थित कंबाइंड बिल्डिंग में पीडब्ल्यूडी में लिपिक के पद पर कार्यरत हूं। सोमवार सुबह मैं घर से ऑटो पकड़कर माड़ीपुर पहुंचीं। वहां से कचहरी जाने के लिए दूसरे ऑटो में सवार हुई। शुरुआत में ऑटो में मैं अकेली थी, लेकिन माड़ीपुर ओवरब्रिज पार करते ही पांच महिलाएं और एक बच्चा ऑटो में चढ़ गए। महिलाएं तेज आवाज में बातचीत और हल्ला-हंगामा करने लगीं। इसी दौरान एक महिला का हाथ मेरे गले पर लगा। विरोध भी किया, लेकिन तभी साथ में मौजूद बच्चा अचानक उल्टी करने का नाटक करने लगा। मैं सीट पर किनारे हो गईं। इसी अफरा-तफरी का फायदा उठाकर महिलाओं ने गले से चेन निकाली ली। पीड़िता कहती हैं कि ऑटो में मुझे पता चक नहीं चला कि मेरी चेन गले से निकाल ली गई है। कचहरी के पास ऑटो से उतरने के बाद जब मैंने अपने गले पर हाथ लगाया तो चेन गायब थी। तब तक महिलाओं का पूरा गिरोह वहां से निकल चुका था। पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद वीणा देवी समाहरणालय परिसर पहुंचीं और अपने बेटे को सूचना दी। इसके बाद संबंधित थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और ऑटो के रूट की जांच कर महिला गिरोह की पहचान में जुट गई है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा विधायक की सजा पर लगाई रोक

मुजफ्फरपुर। दिल्ली हाईकोर्ट ने साहेबगंज से भाजपा विधायक और पूर्व पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह को 2018 के हर्ष फायरिंग और हत्याकांड मामले में राहत दी है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत की ओर से सुनाई गई सजा पर तत्काल रोक लगाते हुए उनकी जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। इससे पहले, दिल्ली की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने विधायक राजू सिंह को 4 साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी और 25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। मामला 31 दिसंबर 2018 की रात दिल्ली के फतेहपुर बेरी स्थित एक फार्महाउस की है। जहां नए साल की पार्टी चल रही थी। आरोप है कि पार्टी के दौरान जश्न में फायरिंग हुई। जिसमें डॉ. अर्चना गुप्ता नाम की महिला को गोली लगी थी। उनकी मौत हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर पता चला कि विधायक राजू सिंह की ओर से गोली चलाई गई थी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की एमपी-एमएलए अदालत ने इस मामले में आईपीसी की धारा 304 (भाग-2) यानी गैर-इरादतन हत्या के तहत 4 साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी। निचली अदालत के फैसले के बाद विधायक राजू सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने विधायक के वकीलों की दलीलों पर सुनवाई करते हुए उनकी सजा पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी और जमानत याचिका स्वीकार कर ली। राजू कुमार सिंह मुजफ्फरपुर जिले की साहेबगंज विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हैं। वह नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में पर्यटन मंत्री भी रह चुके हैं।

दो पक्षों में जमकर पथराव और फायरिंग, चार लोग हुए घायल

एजेंसी, पटना

♦ जातिसूचक टिप्पणी का आरोप, एक पक्ष ने थाने में दिया आवेदन

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के गोखुलपुर गांव में रविवार देर रात दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई। घटना के दौरान जमकर मारपीट और पथराव हुआ। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान फायरिंग भी की गई। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो वायरल हो रहा है।

शाम के विवाद के बाद रात में बढ़ा तनावः गोखुलपुर निवासी जितेंद्र पासवान ने बताया कि गांव के कुछ लोगों के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था। उनके अनुसार, 26 जुलाई की शाम दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी, लेकिन उस समय मामला शांत हो गया था। पीड़ित का आरोप है कि देर रात आरोपित पक्ष के लोग दोबारा पहुंचे और उनके घर समेत आसपास के घरों पर ईंट-पत्थर बरसाने लगे। उनका दावा है कि इस दौरान सात से आठ राउंड हवाई फायरिंग भी की गई।

चार लोग घायल, जातिसूचक टिप्पणी का आरोपः जितेंद्र पासवान के मुताबिक, हमले में उनके परिवार के चार सदस्य घायल हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के कुछ दबंग अक्सर उन्हें जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित करते हैं और गांव छोड़ने की धमकी देते रहे हैं।

वीडियो के आधार पर जांच में जुटी पुलिसः घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने बिहटा थाना में शिकायत दर्ज कराई। सामने आए वीडियो के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि जितेंद्र पासवान की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। वीडियो में फायरिंग जैसी आवाज भी सुनाई दे रही है, जिसकी सत्यता की जांच की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच के बाद आगे की विधिसम्मत कार्रवाई करेगी।

खुसरूपुर में 24 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत

एजेंसी, पटना

❐ पति को छोड़ प्रेमी संग रह रही थी, भाई का आरोप- "रुपये की मांग को लेकर हत्या"

खुसरूपुर के लोदीपुर गांव में 24 वर्षीय एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान गुड़िया देवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गुड़िया देवी मूल रूप से मौसीमपुर की निवासी थीं। इसी वर्ष उनकी शादी मोकामा के गोसाईंगांव में हुई थी। शादी के लगभग एक माह बाद वह लोदीपुर निवासी रिक्की कुमार के साथ चली गई थीं। बाद में दोनों ने विवाह कर लिया था और लोदीपुर में साथ रह रहे थे।

एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचीः घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू की। पुलिस ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मामले के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की।

मृतका के भाई सन्नी कुमार ने अपनी बहन की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि ससुराल पक्ष के लोग रुपये की मांग को लेकर गुड़िया को प्रताड़ित करते थे और अक्सर मारपीट करते थे। घटना के बाद पति रिक्की कुमार सहित घर के अन्य सदस्य फरार बताए जा रहे हैं। थाना प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने जानकारी दी कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

पटना हाईकोर्ट के 2 अधिवक्ता नशे की हालत में गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

♦ देर रात सीजेएम आवास पर प्रदर्शनकारियों का पक्ष रखने पहुंचे, मुंह से बदबू आने के बाद धराए

पटना हाईकोर्ट के दो युवा अधिवक्ताओं को शराब के नशे में होने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उन्हें कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित छज्जूबाग जज आवास परिसर से पकड़ा है। कोतवाली थानेदार अजय कुमार ने मामले की पुष्टि की है। दोनों की पहचान आकाश केशव और वर्ती कुमार के रूप में हुई है। फिलहाल दोनों को कोतवाली थाना में रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़प के बाद कई छात्रों को विभिन्न थाना क्षेत्रों से हिरासत में लिया गया था। इनमें से कुछ छात्रों को पीआर बॉन्ड पर रिहा किया गया, जबकि हिंसक गतिविधियों में शामिल बताए गए आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इन्हीं छात्रों की पैरवी करने के लिए दोनों युवा अधिवक्ता छज्जूबाग स्थित न्यायालय पहुंचे थे।

बताया जा रहा है कि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (CJM) के समक्ष सुनवाई के दौरान दोनों अधिवक्ताओं ने बहस शुरू की। इसी दौरान उनके मुंह से शराब की दुर्गंध आने की बात सामने आई। इसके बाद न्यायालय के निर्देश पर दोनों की अल्कोहल जांच कराई गई।

अपराध की साजिश रच रहे 5 अपराधी गिरफ्तार, बिहटा से देसी कट्टा, कार्बाइन, कारतूस और शराब बरामद

एजेंसी, पटना

❐ गिरोह के रूप में एक्टिव था नेटवर्क

बिहटा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये अपराधी सिमरी बहपुरा गांव में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, एक देसी कार्बाइन, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस, कई खाली खोखे और शराब की बोतल बरामद की है। बिहटा थाना पुलिस को बीती रात गुप्त सूचना मिली थी कि सिमरी बहपुरा गांव में कुछ अपराधी इकट्ठा हुए हैं। किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।

सूचना के आधार पर, स्थानीय थानाप्रभारी अमित कुमार ने अपनी टीम के साथ तत्काल छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पांचों युवकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान धीरज कुमार, हिमांशु कुमार, सुजीत कुमार, शशि कुमार और रोशन कुमार के रूप में हुई है। ये सभी मनेर थाना क्षेत्र के मौला गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस फिलहाल पकड़े गए आरोपियों से बरामद हथियारों और कारतूसों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। साथ ही, उनके पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पांच में से 3 का आपराधिक इतिहास भी थाः पटना पश्चिम सिटी एसपी संकेत कुमार ने बताया कि दानापुर डीएसपी 2 और बिहटा थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और छापेमारी शुरू की गई। पुलिस ने मौके से पांच युवक को गिरफ्तार कियाय़ यह सभी मनेर मौला गांव के रहने वाले हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक देसी कट्टा देसी करवा कहीं जिंदा कारतूस और गोली का खोखा शराब की बोतल बाइक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। आगे SP ने कहा कि पांच गिरफ्तार अपराधियों में से तीन अपराधियों का आपराधिक इतिहास रहा है और बड़ी घटनाओं में यह सभी लोग शामिल रहा करते थे क्षेत्र में दहसत फैलाना और घटना को अंजाम देना इनका मुख्य पेशा था ।फिलहाल पुलिस इसके पूरे गिरोह के नेटवर्क का जांच की जा रही है। गिरफ्तार अपराधियों में हिमांशु उर्फ सोनू ,रौशन और धीरज के ऊपर बिहटा, मनेर और रानीतालाब थाना में हत्या के प्रयास ,हत्या रंगदारी जैसे मामले पहले से दर्ज हैं। इन मामलों में फरार भी चल रहा था।

पूरे गिरोह के नेटवर्क को खंगाला जा रहाः जांच में पता चला कि गिरफ्तार सभी अपराधी एक गिरोह के रूप में काम करता था। क्षेत्र में भय का माहौल बनाया करता था। हाल के दिनों में बहपुरा बाजार में फायरिंग कर डर का माहौल बनाया था। इनके द्वारा ही घटना की गई थी। फिलहाल इस पूरे गिरोह के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। जांच की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि गिरफ्तार अपराधी और किन-किन घटनाओं में आज तक शामिल रहा है।

कृष्णा अल्लावरु सहित 12 कांग्रेसियों पर दर्ज कराई एफआईआर, पटना में भाजपा-कांग्रेस टकराव

एजेंसी, पटना

❐ पुलिस पर लगाए पक्षपात के आरोप, कांग्रेस बोली- जरूरत पड़ी तो न्यायालय जाएंगे

पटना में बुधवार को कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच जमकर लाठी-डंडे चले थे। बीजेपी नेता कांग्रेस ऑफिस के सामने प्रदर्शन करने पहुंचे थे। इसे लेकर भाजपा ने बिहार प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु सहित कांग्रेस के 12 लोगों पर FIR दर्ज कराई है। वहीं, कांग्रेस की ओर से भी पाटलिपुत्र थाने में आवेदन दिया गया था, मगर रिसीविंग मिलने के बाद भी अब तक FIR दर्ज नहीं की गई है, जिसके कारण कांग्रेस में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। तमिलनाडु के पूर्व डीजीपी और कांग्रेस नेता करुणा सागर ने कहा, 'बीजेपी के भाड़े के गुंडों ने सदाकत आश्रम पर हमला किया था और उल्टा हमारे ऊपर ही अटेम्प्ट टू मर्डर का FIR दर्ज कर दिया। हम सभी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अपने बचाव के लिए डंडे उठाए थे।'

राहुल गांधी शांतिपूर्ण तरीके से कर रहे थे प्रदर्शनः कांग्रेस नेता करुणा सागर ने कहा, '20 जुलाई को जो दिल्ली के जंतर मंतर पर पुलिस की बर्बरता देखने को मिली थी, उसके खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्लियामेंट में आवाज उठाने की कोशिश की थी, मगर उन्हें बोलने नहीं दिया गया। उसके बाद राहुल गांधी कांग्रेस और विपक्ष के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के आवास के बाहर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। वहां से सभी शीर्ष नेताओं को घसीट के ले जाया गया। फिर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने घोषणा की कि भाजपा के कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय के सामने प्रदर्शन करेंगे।

22 जुलाई को भाजपा के भाड़े के गुंडो के साथ सदाकत आश्रम में हमला किया। पुलिस को यह बात पहले से पता थी, लेकिन उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया और ना ही हमें कोई सूचना दी। उस हमले में हम यही कोशिश कर रहे थे कि उन सभी को वापस कार्यालय से पीछे कर दें, ताकि वह हमारे इस कांग्रेस के मंदिर में ना घुसें।'

बुधवार को दोनों ओर से डंडे चले, पत्थर चलाए गए थे। दोनों पार्टियों के बीच मारपीट के दौरान शुरुआत में पुलिस चुपचाप खड़ी नजर आई। इसके बाद मामला बढ़ने पर पुलिस ने एक्शन लिया। इसके बाद भाजपा के पटना महानगर जिलाध्यक्ष रूप नारायण मेहता ने पाटलिपुत्र थाने में कांग्रेस प्रभारी, पूर्व विधायक समेत दर्जनों नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। कांग्रेस की ओर से भी पाटलिपुत्र थाने में आवेदन दिया गया था।

प्रदर्शन के दौरान बीजेपी का कहना था कि राहुल गांधी ने दुर्भावनापूर्ण मंशा के साथ पीएम आवास के सामने धरना प्रदर्शन कर हंगामा किया था। कांग्रेस की ओर से देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की गई थी। भाजपा ने कहा है कि गंभीर खतरे में डालने की कांग्रेस की प्रवृत्ति रही है।

आईआईटी अम्हारा पुलिस ने 12 लीटर देसी शराब जब्त की

एजेंसी, पटना

♦ एक व्यक्ति गिरफ्तार, अवैध शराब के खिलाफ अभियान जारी

बिहटा प्रखंड के आईआईटी अम्हारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध देसी शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 12 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुन्ना कुमार (35) के रूप में हुई है, जो जयेंद्र राम का पुत्र और ग्राम लई, थाना आईआईटी अम्हारा, जिला पटना का निवासी है।

आईआईटी अम्हारा थाना प्रभारी रौशन कुमार राज ने सोमवार सुबह इस मामले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि आरोपी को शराब के साथ गिरफ्तार कर थाने लाया गया है। उसके विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि अवैध देसी शराब बनाने और बेचने वालों के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत लई क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस शराब माफियाओं पर कड़ी नजर रख रही है।

औरंगाबाद समेत 5 जिलों में बारिश मधुबनी-बक्सर में छाए बादल

एजेंसी, पटना

बिहार के अधिकांश इलाकों में सोमवार को मौसम सुहावना रहेगा। वहीं बेगूसराय, औरंगाबाद, बगहा, अररिया और सुपौल में आज बारिश हुई। जबकि मधुबनी और बक्सर में बादल छाए हुए हैं। अररिया में देर रात से ही लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया है।

मौसम विभाग ने 26 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। यहां गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर बिजली गिरने की भी आशंका है। साथ ही 40 kmph की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। विभाग के मुताबिक, बाकी 12 जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है। हालांकि यहां बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। बीते 24 घंटे में पटना, नालंदा, बेगूसराय में तेज धूप रही। बीच में हल्के बादल भी छाए रहे। बाकी जिलों में भी मौसम सामान्य रहा।

बीते कुछ दिनों से बिहार में मौसम लगातार बदल रहा है। कभी तेज धूप निकल रही तो कुछ ही देर में बादल छा रहे हैं। कई जगहों पर बारिश भी हो रही है। इसकी मुख्य वजह यह है कि प्रदेश में नमी वाली हवाओं का प्रभाव बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर गर्मी बढ़ने से बादलों का तेजी से विकास हो रहा है।

आरजेडी कैंडिडेट के साथ तेजस्वी का रोड शो, बोले- बिहार में अपराधी नहीं छात्रों पर चल रही एके-47

एजेंसी, पटना

❐ नितिन नवीन भी झोकेंगे ताकत

बांकीपुर उपचुनाव के लिए कल चुनाव प्रचार थम जाएगा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव राजद कैंडिडेट रेखा गुप्ता के साथ बांकीपुर इलाके में करीब 4 किलोमीटर रोड शो कर रहे हैं। तेजस्वी और रेखा गुप्ता गाड़ी से लोगों का आभिवादन कर रहे हैं। रोड शो मीठापुर प्रधान कार्यालय से शुरू हुआ है जो चिरैया टांड़ पुल होते हुए सब्जीबाग चौराहे पर खत्म होगा। तेजस्वी ने इस दौरान कहा कि सम्राट चौधरी खुद आपराधिक छवि के मुख्यमंत्री हैं। ना काम पर, ना छवि पर, सिलेक्टेड मुख्यमंत्री हैं। सम्राट चौधरी ने कोई काम नहीं किया, केवल गोली चलवाने का काम किया। तीनों छात्रों की किस्मत अच्छा थी कि तीनों बच गए, लेकिन आज तक देश में ऐसा नहीं हुआ था।

तेजस्वी ने कहा कि एनडीए की सरकार साफ कर दिया था कि किसी भी छात्रों पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। प्राथमिकी वापस होगी। जो भी छात्र गिरफ्तार हुआ है, उसे रिहा कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नरेंद्र मोदी अपने जुबान के पक्के नहीं है। नरेंद्र मोदी पर कोई व्यक्ति विश्वास नहीं करने वाला है। जिस प्रकार नरेंद्र मोदी ने किसान को ठगा इस प्रकार छात्रों को ठगने का काम कर रहे हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी करेंगे रोड शोः भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री नितिन नवीन भी आज रोड शो करेंगे। उनके साथ NDA उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा मौजूद रहेंगे। यह रोड शो दोपहर 3 बजे भट्टाचार्य मोड़ से शुरू होकर मोना सिनेमा हॉल के पास समाप्त होगा। रोड शो के बाद मोना सिनेमा हॉल के पास जनसभा का भी आयोजन होगा। इसमें सीएम सम्राट चौधरी समेत भाजपा के कई नेता शामिल होंगे। बता दें कि 28 जुलाई चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। 30 जुलाई को मतदान होगा।

बांकीपुर में है कांटे की टक्करः पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प और त्रिकोणीय नजर आ रहा है। राजद ने रेखा कुमारी गुप्ता को उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा और जन सुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर से है। जन सुराज की सक्रियता और प्रशांत किशोर की चुनावी मौजूदगी ने इस मुकाबले को और रोचक बना दिया है।

नेपाल-बिहार की बेटियों ने मेहंदी प्रतियोगिता में दिखाई रचनात्मक प्रतिभा : आशीष अग्रवाल

बीएनएम@ मोतिहारी

» भारत विकास परिषद के संस्कृति सप्ताह में 70 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, विजेताओं को किया गया सम्मानित

भारत विकास परिषद, शाखा रक्सौल के तत्वावधान में संस्कृति सप्ताह–2026 के अंतर्गत रविवार को श्री सत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर परिसर में भव्य मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में रक्सौल सहित आसपास के क्षेत्रों एवं पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के बीरगंज से आई छात्राओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अवर निबंधक आशीष अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि सुप्रिया ड्रोलिया, परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, सचिव नरेश कुमार, महिला सहभागिता संयोजिका मेनका गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार, कैलाश चंद्र काबरा, मोनिका आर्य एवं मीतू गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा वंदे मातरम् का सामूहिक गायन हुआ। अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मान किया गया। स्वागत भाषण में सचिव नरेश कुमार ने परिषद की गतिविधियों एवं संस्कृति सप्ताह के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन का सशक्त माध्यम हैं। महिला सहभागिता संयोजिका मेनका गुप्ता एवं कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार ने कहा कि परिषद अपने पंचसूत्र—संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण—के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का कार्य कर रही है। सेवा संयोजक बिमल सर्राफ ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से छात्राओं एवं महिलाओं की छिपी प्रतिभा को मंच मिलता है और उनमें आगे बढ़ने का उत्साह पैदा होता है।प्रतियोगिता में कुल 70 छात्राओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी हथेलियों पर आकर्षक एवं कलात्मक मेहंदी डिज़ाइन उकेरकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल में मेनका गुप्ता, मोनिका आर्य एवं बबली गुप्ता शामिल थीं। निर्णय के आधार पर मुस्कान गुप्ता ने प्रथम, खुशी कुमारी ने द्वितीय तथा आराध्या गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मेडल, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मोनिका आर्य एवं कैलाश चंद्र काबरा को प्रतियोगिता के सफल आयोजन में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार ने किया।मुख्य अतिथि आशीष अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि सुप्रिया ड्रोलिया ने भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी एवं मुख्य अतिथि आशीष अग्रवाल ने मनीषा गुप्ता को भी मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इसकी जानकारी बिमल सर्राफ ने दी।

“बंजरिया थानाध्यक्ष के नाम पर 7 लाख की डील? वायरल ऑडियो पर अब भी सन्नाटा”

“अमित कुमार सिंह पर दर्जनों लिखित आरोप, रिश्वत ऑडियो से फर्जी मुकदमों तक सवालों की भरमार; जांच शुरू, लेकिन कार्रवाई का अब भी इंतजार”

» प्रशिक्षु डीएसपी ने की मौके पर जांच, दोनों पक्षों के गवाहों से पूछताछ; पीड़ितों ने सीसीटीवी और दस्तावेज सौंपे

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। बॉर्डर न्यूज मिरर में लगातार प्रकाशित खबरों के बाद बंजरिया थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह पर लगे गंभीर आरोपों की जांच अब जमीन पर उतर चुकी है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर प्रशिक्षु डीएसपी प्रियंका कुमारी ने सोमवार को बंजरिया थाना परिसर में दोनों पक्षों के गवाहों को बुलाकर पूछताछ की। इसके बाद विवादित स्थल से जुड़े दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य भी एकत्र किए गए। शिकायतकर्ता शमशेर आलम और उनके परिजनों ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी ने भू-माफियाओं को लाभ पहुंचाने की नीयत से उनके विरुद्ध झूठा मुकदमा दर्ज कराया। उनका कहना है कि जिस घटना को आधार बनाकर केस दर्ज किया गया, वैसी कोई घटना हुई ही नहीं थी। जांच के दौरान उन्होंने कथित घटना स्थल की सीसीटीवी फुटेज और जमीन से संबंधित दस्तावेज जांच अधिकारी को सौंप दिए। प्रशिक्षु डीएसपी प्रियंका कुमारी ने कहा सभी बिंदुओं पर जांच जारी है। जांच रिपोर्ट एसपी को सौंपी जाएगी। इस पूरे विवाद में सबसे अहम तथ्य यह है कि सदर डीएसपी दिलीप कुमार पहले ही एक मामले के पर्यवेक्षण के दौरान एक कथित झूठे मुकदमे को असत्य बताते हुए टिप्पणी कर चुके हैं कि बंजरिया थाना प्रभारी ने अभियुक्तों को लाभ पहुंचाने की नीयत से झूठा मुकदमा दर्ज किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि नगर थाना अध्यक्ष द्वारा वास्तविक स्थिति बताए जाने के बावजूद यह मुकदमा दर्ज किया गया। इधर शमशेर आलम ने जांच के बाद कहा कि उनके पक्ष के अधिकांश गवाह घटना स्थल के आसपास के स्थानीय लोग थे, जबकि विपक्ष के गवाह उनके अपने परिवार के सदस्य बताए गए। उन्होंने कहा कि यदि जमीन के स्वामित्व की जांच करनी है तो अंचल कार्यालय से करा ली जाए, लेकिन झूठे मुकदमे की जांच भी निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए। बंजरिया थाना प्रभारी के खिलाफ यह पहला आरोप नहीं है। प्रखंड क्षेत्र के कई लोगों ने अलग-अलग मामलों में भ्रष्टाचार, भयादोहन, फर्जी मुकदमे दर्ज करने और पक्षपात के आरोप लगाते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायतें दी हैं। हाल ही में गम्हरिया निवासी पूर्व सैनिक अरुण कुमार ने आरोप लगाया कि पंचायती करने से नाराज थाना प्रभारी ने उन्हें थाने बुलाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया, जबकि उनके खिलाफ पहले कभी कोई आपराधिक मामला तक दर्ज नहीं था। इसी तरह सिसवा पूर्वी की मुखिया तान्या प्रवीण ने डीआईजी चंपारण प्रक्षेत्र को दिए आवेदन में थाना प्रभारी पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर लोगों का दोहन करने का आरोप लगाया। इस मामले में भी एसपी स्तर से जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। पूर्व बंजरिया प्रमुख जफीर अहमद ने भी डीआईजी के समक्ष लिखित में आरोप लगाया कि थाना प्रभारी जनप्रतिनिधियों पर थाना की “दलाली” करने का दबाव बनाते हैं और पंचायत स्तर पर विवाद सुलझाने के बजाय हर मामले को थाना भेजने के लिए कहते हैं। विवाद का सबसे गंभीर पहलू कथित रिश्वत वसूली का है। आरोप है कि राजन प्रसाद नामक व्यक्ति ने एक मामले में थाना प्रभारी के नाम पर 7 लाख की मांग की, जिसका ऑडियो रिकॉर्ड होने का दावा किया गया है, जो बॉर्डर न्यूज मिरर के पास सुरक्षित है । दूसरी ओर शमशेर आलम के परिवार का आरोप है कि प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए उनसे 1 लाख की मांग की गई थी और मामला सार्वजनिक होने के बाद ही एफआईआर दर्ज की गई। लेकिन अब तक वायरल ऑडियो की जांच शुरू नहीं होने और कथित बिचौलिए के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बंजरिया थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार किया है।

जिलाधिकारी ने डॉ. अंबेडकर कल्याण छात्रावास का किया औचक निरीक्षण, समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने डॉ. अंबेडकर कल्याण छात्रावास संख्या- 01 एवं 02, चाँदमारी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास की साफ-सफाई का जायजा लिया और छात्रावासी छात्रों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए जिला कल्याण पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण संतोष कुमार को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही छात्रों को शांतिपूर्ण माहौल में रहकर बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया। छात्रों की मांग पर ऑनलाइन UPSC कोर्स एवं अन्य आवश्यक पुस्तकों की व्यवस्था कराने का निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिया। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी और छात्रावास समन्वयक को नियमित रूप से छात्रावास का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास परिसर में निर्माणाधीन 100-आसन क्षमता वाले नए छात्रावास भवन का भी जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने भवन का यथाशीघ्र हस्तांतरण सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) अरुण कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी (सदर) जितेंद्र कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी (कोटवा) आनंद मोहन बिहारी सहित अन्य अधिकारी एवं छात्र उपस्थित थे।

अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन भी सच्ची राष्ट्रभक्ति : प्रो. मृगेंद्र

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के एल.एन दूबे कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की महाविद्यालय इकाई के तत्वावधान में सोमवार को कारगिल विजय दिवस, देशभक्ति और शहीदों के प्रति श्रद्धा के भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार, डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. रविरंजन सिंह, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. प्रभाकर कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन तथा राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान हुआ तथा कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त करने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहीं प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रभक्ति केवल सीमाओं पर रहकर देश की रक्षा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन, ज्ञान, अनुशासन और समाजसेवा के माध्यम से भी राष्ट्र की सेवा की जा सकती है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने कारगिल युद्ध के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस की चर्चा की। वहीं उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक महत्व और भारतीय सेना के अद्वितीय पराक्रम पर अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम के दौरान छात्र अनुराग एवं शुभम ने डिजिटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से कारगिल युद्ध के वीर शहीदों की शौर्यगाथाओं का मार्मिक एवं सजीव प्रस्तुतीकरण किया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा। कार्यक्रम का सफल संचालन उज्ज्वल कुमार एवं माही कुमारी ने किया।

पूर्वी चंपारण में FLN अभियान को मिलेगी नई गति, कक्षा 4 से 8 के नोडल शिक्षकों-मेंटरों का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सम्पन्न

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (FLN) अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कक्षा 4 से 8 के लिए चिन्हित नोडल शिक्षकों एवं मेंटरों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण स्थानीय जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय स्थित शिक्षा भवन के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरि ने की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों में पढ़ने, लिखने एवं बुनियादी गणितीय दक्षता का विकास करना है, ताकि प्रत्येक बच्चा अपनी कक्षा के अनुरूप अधिगम स्तर प्राप्त कर सके। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि FLN के तहत गतिविधि आधारित शिक्षण, प्रभावी आकलन तकनीक, शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM) के उपयोग तथा उपचारात्मक शिक्षण पर विशेष बल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों में पढ़ने की समझ, लेखन क्षमता तथा जोड़, घटाव, गुणा और भाग जैसी आधारभूत गणितीय संकल्पनाओं को रोचक एवं सरल तरीकों से विकसित करना अभियान का प्रमुख लक्ष्य है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा) ब्रजेश कुमार ने कहा कि निपुण भारत मिशन के अंतर्गत अब प्रयास केवल कक्षा 3 तक सीमित नहीं है, बल्कि कक्षा 4 से 8 के उन बच्चों की सीखने की कमी को भी दूर करना है, जो विभिन्न कारणों से अपेक्षित दक्षता हासिल नहीं कर सके हैं। उन्होंने नोडल शिक्षकों एवं मेंटरों से विद्यालयों का नियमित भ्रमण करने, बच्चों का बेसलाइन आकलन कराने तथा मासिक प्रगति प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण के दौरान राज्य से आए प्रथम संस्था के प्रशिक्षकों ने मॉडल पाठ, खेल आधारित अधिगम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM) निर्माण का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं व्यवहारिक बताया। इस अवसर पर संभाग प्रभारी सह अपर जिला कार्यक्रम समन्वयक रामदेव महतो ने सभी संबंधित शिक्षकों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित सदस्य नगेन्द्र प्रसाद, रमेश कुमार, राजीव कुमार सिंह, अंजना कुमारी, सरिता कुमारी, नवाब ठाकुर एवं केशव कुमार कश्यप सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार सिंह ने किया।

डीएम-एसपी का कृषि उत्पाद बाजार समिति का औचक निरीक्षण, अतिक्रमण हटाकर शीघ्र हस्तांतरण के दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने सोमवार को कृषि उत्पाद बाजार समिति (वि.) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने फेज-II के तहत निर्मित विभिन्न भवनों का जायजा लिया और निर्माण कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि फेज-II के अंतर्गत एक प्रशासनिक भवन, एक निबंधन कार्यालय तथा कर्मियों के लिए एक कैंटीन का निर्माण कराया गया है। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार को बाजार समिति परिसर में अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटाने तथा हस्तांतरण की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। मौके पर सहायक समाहर्ता एवं सहायक दंडाधिकारी राजकृष्ण झा, जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार, सहायक निदेशक (शस्य) तथा जिला कृषि विपणन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गवर्नमेंट अचीवमेंट्स एंड स्कीम्स एक्सपो–2026’ में एमजीसीयू को प्रथम पुरस्कार, शैक्षणिक उत्कृष्टता का राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 25 से 27 जुलाई, 2026 तक आयोजित ‘गवर्नमेंट अचीवमेंट्स एंड स्कीम्स एक्सपो–2026’ में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक पहचान को और मजबूत किया। यह सम्मान विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार, शोध आधारित वातावरण तथा छात्र-केंद्रित शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रभावी प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया। तीन दिवसीय एक्सपो के दौरान विश्वविद्यालय के स्टॉल पर विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों की लगातार भीड़ रही। आगंतुकों ने विश्वविद्यालय की आधुनिक अधोसंरचना, शोध सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की सराहना की। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. उमेश पात्रा ने स्टॉल पर आगंतुकों को विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध सुविधाओं और प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी। इस दौरान एमजीसीयू के पूर्व छात्र डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. सूरज जायसवाल एवं श्रवण कुमार शर्मा ने भी स्टॉल का भ्रमण कर विश्वविद्यालय की उपलब्धि पर खुशी जताई। प्रदर्शनी में आयोजित शैक्षणिक परामर्श सत्र आकर्षण का केंद्र रहा, जहां विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया तथा विश्वविद्यालय के नए पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक-स्नातकोत्तर (इंटीग्रेटेड यूजी-पीजी) कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुरूप तैयार इन पाठ्यक्रमों में बहुविषयक अध्ययन, शैक्षणिक लचीलापन और शोधोन्मुख शिक्षा पर विशेष बल दिया गया। इस राष्ट्रीय एक्सपो में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, डॉ. बी.आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, इग्नू, एनआईटी जमशेदपुर, एनआईटी मिजोरम, सीएसआईआर, केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, ओएमएफईडी तथा उद्यानिकी विभाग सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने भाग लिया। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिष्ठित एक्सपो में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करना विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और प्रभावी जनसंपर्क के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और भविष्य उन्मुख शिक्षा प्रदान करने के संकल्प को और सशक्त बनाता है। एमजीसीयू को मिला यह प्रथम पुरस्कार विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाला साबित हुआ।

कल 29 जुलाई को होगी अधिनायक अनुदेशक भर्ती परीक्षा, 12 केंद्रों पर 7464 अभ्यर्थी होंगे शामिल

बीएनएम@ मोतिहारी

स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए प्रशासन ने पूरी की तैयारी, तीन स्तरीय फ्रिस्किंग और 200 गज तक निषेधाज्ञा लागू

बिहार गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अधिनायक अनुदेशक के पद पर चयन हेतु बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग, पटना द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा 29 जुलाई (बुधवार) को पूर्वी चंपारण जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा में कुल 7464 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा एक पाली में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के निर्देश पर परीक्षा के सफल संचालन को लेकर समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती की अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। केंद्राधीक्षकों को सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जैमर, प्रत्येक कक्ष में घड़ी, निर्बाध बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं स्टेटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को सुबह 9 बजे तक अपने-अपने केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया। परीक्षार्थियों का प्रवेश सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा, जबकि 10:30 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। अभ्यर्थियों की तीन चरणों में फ्रिस्किंग होगी तथा उन्हें प्रवेश पत्र एवं एक वैध फोटो पहचान पत्र के साथ ही केंद्र में प्रवेश मिलेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, घड़ी, इरेज़र, शार्पनर तथा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मियों को भी मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखने की अनुमति नहीं होगी। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सशस्त्र बल एवं महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए महिला कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा अवधि के दौरान सभी केंद्रों के 200 गज की परिधि में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे परीक्षा के दिन बंद रहेंगे तथा मीडिया के प्रवेश पर भी रोक रहेगी।किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जो परीक्षा के दिन दूरभाष संख्या 06252-242418 पर कार्यरत रहेगा। संयुक्त ब्रीफिंग में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी सहित प्रतिनियुक्त प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी केंद्राधीक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पताही में सियार का कहरः 62 वर्षीय दीनानाथ राउत की दर्दनाक मौत, दहशत में जी रहे ग्रामीण

बीएनएम@ पताही। प्रखंड क्षेत्र में सियार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार हो रहे हमलों के बीच अब पदुमकेर पंचायत के वार्ड संख्या-11 स्थित नारायणपुर गांव के 62 वर्षीय दीनानाथ राउत (पिता- स्वर्गीय कपिल देव राउत) की सियार के काटने से मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। गांव में मातम पसरा हुआ है, वहीं लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। परिजनों के अनुसार, सियार के हमले के बाद दीनानाथ राउत की तबीयत बिगड़ती चली गई। इलाज के प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वे अपने पीछे पत्नी और चार पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों पताही प्रखंड के कई गांवों में सियार का आतंक चरम पर है। शाम होते ही लोग घरों से निकलने से डर रहे हैं। बच्चों और महिलाओं को अकेले बाहर भेजना बंद कर दिया गया है। खेतों और बगीचों में जाने वाले किसानों में भी भय का माहौल है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले जिहुली पंचायत में भी सियार के हमले में कई लोग घायल हुए थे। उस समय भी ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। लगातार बढ़ती घटनाओं से लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल विशेष अभियान चलाकर सियार को पकड़ा जाए, लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा मृतक के आश्रितों को सरकारी सहायता और उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और भी बड़ी घटनाएं हो सकती हैं।

आर्म्स एक्ट के स्पीडी ट्रायल का वारंटी गिरफ्तार, तुरकौलिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले की तुरकौलिया थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के स्पीडी ट्रायल मामले में फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई को फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा बताया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तुरकौलिया थाना कांड संख्या 308/24 (आर्म्स एक्ट) के स्पीडी ट्रायल में वांछित वारंटी आयुष कुमार उर्फ जानू, पिता स्वर्गीय रंजय सिंह, निवासी सेमरा भूमिहार टोला, थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक प्रक्रिया पूरी करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। तुरकौलिया पुलिस का कहना है कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। कानून से बचने का प्रयास करने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अवैध हथियार रखने के मामले में दोषी को 3 वर्ष की सजा, 2 हजार का जुर्माना

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में अवैध हथियार रखने के मामले में न्यायालय ने एक अभियुक्त को दोषी करार देते हुए कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं आरोप-पत्र के आधार पर त्वरित विचारण के तहत सुनाया गया। जानकारी के अनुसार, नगर थाना कांड संख्या 162/25 एवं टीआर संख्या 1481/2025 में सुनवाई करते हुए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, मोतिहारी रंजीत कुमार चौधरी ने अभियुक्त गोलू सहनी, पिता राजकिशोर सहनी, निवासी आर्या नगर, थाना नगर, जिला पूर्वी चंपारण को दोषी ठहराया। न्यायालय ने आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)(a) के तहत 2 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1,000 जुर्माना तथा धारा 26 के तहत 1 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1,000 जुर्माना की सजा सुनाई। इस प्रकार अभियुक्त पर कुल 2,000 का जुर्माना लगाया गया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अभियोजन पदाधिकारी (नोडल) सुश्री शिवानी पाठक ने प्रभावी पैरवी की। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों और चार्जशीट के आधार पर अभियुक्त को दोषसिद्ध किया गया। पुलिस ने कहा है कि जिले में अवैध हथियार रखने वालों और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अभया ब्रिगेड ने छात्राओं को किया जागरूक

बीएनएम@ शेखपुरा। शहर के कच्ची रोड स्थित निजी कोचिंग संस्थानों में अभया ब्रिगेड और पुलिस दीदी टीम के द्वारा छात्राओं को जागरूक किया गया। इस दौरान नगर थाना की एएसआई कुमारी शुभम सिन्हा, पीटीसी नवल कुमार मंडल समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को गुड टच और बैड टच की जानकारी दी और किसी भी तरह के गलत व्यवहार का विरोध करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव के उपाय भी बताए। एएसआई कुमारी शुभम सिन्हा ने कहा कि वर्तमान समय में मानव तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में छात्राओं को संदिग्ध लोगों, अनजान कॉल और मैसेज से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में डायल 112 बेहद महत्वपूर्ण है। छात्राएं किसी भी खतरे को नजरअंदाज न करें और तत्काल 112 पर कॉल करें।

सूर्य घर योजना की धीमी रफ्तार पर डीएम सख्त

बीएनएम@ शेखपुरा। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में मंथन सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति, लंबित आवेदनों और पात्र लाभुकों तक योजना का लाभ पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक समय पर पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी विभागों और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने तथा प्रगति से संबंधित सही और अद्यतन रिपोर्ट नियमित रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि योजना के तहत 2 किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटॉप संयंत्र पर 60,000 तक और 3 किलोवाट क्षमता पर 78,000 तक की सब्सिडी का प्रावधान है। जिले में अब तक 404 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 19 आवेदन लंबित हैं। डीएम ने लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करते हुए निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में डीडीसी, जिला विकास पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

तीन वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम@ शेखपुरा। नगर थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, पहली कार्रवाई गिरहिंडा और महादेव नगर क्षेत्र में की गई। यहां शराब बरामदगी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे इस्तेहार वारंटी उपेंद्र राम को गिरफ्तार किया गया। वहीं गिरहिंडा मोहल्ले से ही एनबीडब्ल्यू वारंट में फरार चल रहे गोपाल पासवान को पुलिस ने दबोच लिया। तीसरी कार्रवाई इंदाय मोहल्ले में की गई, जहां से मथुरा यादव के पुत्र हरखित यादव को गिरफ्तार किया गया।

“रिश्वत नहीं दी तो रद्द कर दिया परिमार्जन? केसरिया अंचल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप”

सरकार के स्पष्ट निर्देशों की अनदेखी का आरोप, एडीएम कोर्ट की टिप्पणी के बावजूद 30 दिन की लॉगिंग को बनाया अस्वीकृति का आधार

बीएनएम@ सागर सूरज

केसरिया अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा

पूर्वी चंपारण के केसरिया अंचल में भूमि परिमार्जन और जमाबंदी मामलों में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप एक बार फिर सामने आए हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव को भेजे गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद परिमार्जन आवेदन को नियमों के अनुरूप निष्पादित नहीं किया गया, बल्कि अवैध राशि नहीं देने पर उसे अस्वीकृत कर दिया गया। शिकायतकर्ता कुमार हर्षवर्धन उर्फ़ हर्ष कुमार सिंह ने अपने आवेदन में कहा है कि उनकी जमाबंदी संख्या-122 के परिमार्जन का आवेदन अंचल कार्यालय में विधिवत दाखिल किया गया था। आवेदन कर्मचारी द्वारा अग्रसारित सही ढंग से किए जाने के बाद भी अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने यह कहते हुए आवेदन अस्वीकृत कर दिया कि मामला 30 दिनों से अधिक समय तक लॉगिंग में पड़ा रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह कारण केवल औपचारिकता थी, जबकि वास्तविक वजह कथित रूप से अंचल कार्यालय द्वारा मांगी गई अवैध राशि नहीं देना था। जबकि सभी आरोपों को अंचलधिकारी सिरे से ख़ारिज करते हुए बताई की आवेदन और दस्तावेजों के खेसरा मे फर्क था जिसके कारण लॉगिंग ऑटोमैटिक 30 दिनों बाद अस्वीकृत कर दिया। इधर कुमार हर्षवर्धन ने कहा कि एडीएम के यहाँ चल रहे मुक़दमे मे जो खेसरा विपक्षी ने लिखा था और जिस खेसारा का जिक्र अंचलधिकारी पूनम मिश्रा खुद एडीएम द्वारा मांगे गये रिपोर्ट मे की थी, उसी खेसरा को परिमार्जन हेतु दिया गया था। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिहार सरकार ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी परिमार्जन या जमाबंदी आवेदन को अस्वीकृत करने की स्थिति में कारणों का स्पष्ट उल्लेख किया जाए और आवेदक को न्यायसंगत अवसर मिले। इसके बावजूद कथित रूप से नियमों के विपरीत कार्रवाई की गई। मामले को और गंभीर बनाते हुए शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि इसी विवादित जमाबंदी से जुड़े प्रकरण में अपर समाहर्ता (एडीएम) न्यायालय के समक्ष अंचलाधिकारी की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, जिसमें उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर दस्तावेजों को सही माना गया था और जमाबंदी रद्द करने से इंकार किया गया था । शिकायत के अनुसार, इसके बाद भी परिमार्जन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बजाय पहले विभिन्न तकनीकी आपत्तियां उठाई गईं और जब उनका समाधान हो गया तो अंततः 30 दिनों की लॉगिंग को आवेदन अस्वीकृत करने का आधार बना दिया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी ने आवेदन सकारात्मक रूप से अग्रेतर कार्रवाई की अनुशंसा भी कर दी थी, लेकिन अंतिम स्तर पर आवेदन निरस्त कर दिया गया। उनका कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक एवं मानसिक क्षति हुई है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव सहित अन्य वरीय अधिकारियों को भेजे गए पत्र में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, कथित भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा परिमार्जन आवेदन पर विधिसम्मत निर्णय लेने की मांग की गई है। केसरिया अंचल में भूमि मामलों को लेकर पहले भी कई विवाद और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते रहे हैं। ऐसे में इस ताजा शिकायत ने एक बार फिर अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जनता की समस्याओं का समयसीमा में निष्पादन का डीम का निर्देश

बीएनएम@ शेखपुरा

जिला पदाधिकारी शेखर आनंद की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में ‘सबका सम्मान, जीवन आसान’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं डीएम के समक्ष रखीं। कार्यक्रम में कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए। फरियादियों ने जमीन की नापी, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, दाखिल-खारिज, रसीद में सुधार, पेयजल एवं बिजली की समस्या, जमीन अतिक्रमण से मुक्ति, फर्जी केवाला की जांच, पैतृक संपत्ति के बंटवारे, प्राथमिकी दर्ज कराने, रास्ता अवरुद्ध होने, नाली के पानी की समस्या, बिजली बिल में सुधार, वरिष्ठ नागरिक कार्ड बनवाने सहित विभिन्न मामलों को लेकर आवेदन दिया। डीएम शेखर आनंद ने प्रत्येक फरियादी को अपने पास बुलाकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों की निष्पक्ष जांच कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी परिवादी को अपने कार्य के लिए बार-बार कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। इस अवसर पर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सह जिला जनता दरबार प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

इको क्लब के बैनर तले चला पर्यावरण संरक्षण अभियान

बीएनएम@ समस्तीपुर

पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने और सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से +2 उच्च विद्यालय, सुल्तानपुर पुरब में इको क्लब एवं सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक दीपक कुमार ने की, जबकि सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के एक्टिविस्ट भाई रणधीर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में नीम के पौधे का रोपण कर की गई। इसके बाद विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने “वृक्ष लगाएं, पानी बचाएं, प्लास्टिक हटाएं” के नारों के साथ हरित एवं स्वच्छ वातावरण बनाने का संदेश दिया। मुख्य वक्ता भाई रणधीर ने कहा कि आज सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। प्रभारी प्रधानाध्यापक दीपक कुमार ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी माध्यम है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को विद्यार्थियों की आदत का हिस्सा बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इको क्लब के माध्यम से विद्यालय लगातार प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम में शिक्षक राकेश कुमार, कुमार नीरज, रविशंकर, राजीव कुमार, प्रियंका गुप्ता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष रामकुमार की सक्रिय सहभागिता रही।

डकैती के प्रयास व आर्म्स एक्ट का वांछित अपराधी लालबाबू साह गिरफ्तार, कई थानों में दर्ज हैं आधा दर्जन से अधिक अपराधिक मामले

डुमरियाघाट पुलिस ने रामपुर खजुरिया निवासी आरोपी को दबोचा, न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई

बीएनएम@ डुमरियाघाट

पूर्वी चंपारण जिले की डुमरियाघाट थाना पुलिस ने सोमवार को डकैती के प्रयास एवं आर्म्स एक्ट के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान लालबाबू कुमार उर्फ लाल बाबू साह, पिता नागा साह उर्फ नागेश्वर साह, निवासी रामपुर खजुरिया, थाना डुमरियाघाट, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई 2026 को डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 119/2026 में दर्ज डकैती के प्रयास एवं आर्म्स एक्ट के मामले में वांछित अभियुक्त लालबाबू कुमार उर्फ लाल बाबू साह को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार, लालबाबू कुमार का आपराधिक इतिहास काफी लंबा रहा है। उसके विरुद्ध पूर्व से ही विभिन्न थानों में लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं के कई मामले दर्ज हैं। आरोपी के विरुद्ध दर्ज प्रमुख आपराधिक मामले

- संग्रामपुर थाना कांड संख्या 212/2020 – धारा 392 आईपीसी।
- डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 169/2024 – धारा 313, 317 एवं 3(5) बीएनएस।
- मेहसी थाना कांड संख्या 395/2024 – धारा 305 एवं 331(4) बीएनएस।
- साहिबगंज थाना (मुजफ्फरपुर) कांड संख्या 303/2023 – धारा 392 एवं 412 आईपीसी तथा 25(1-B)(a), 26 एवं 35 आर्म्स एक्ट।
- हरसिद्धि थाना कांड संख्या 705/2025 – धारा 317 बीएनएस तथा 25(1-B)(a), 26 एवं 35 आर्म्स एक्ट।
- वर्तमान डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 119/2026 – धारा 112(2), 310(4), 310(5) बीएनएस एवं 25(1-B)(a), 26 आर्म्स एक्ट।

पुलिस का कहना है कि आरोपी के विरुद्ध दर्ज मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है डुमरियाघाट थाना पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

खेत से चोरी हुई मोटर बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ पताही

थाना पुलिस ने खेत में लगी सिंचाई मोटर चोरी मामले का सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष बबन कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस द्वारा की गई छापेमारी के दौरान उमेश मांझी (पिता- मुखलाल मांझी), निवासी द्वारिका नगर, थाना पकड़ीदयाल तथा हरीलाल महतो (पिता- रामाश्रय महतो), निवासी बोकाने खुद, थाना पताही, दोनों जिला पूर्वी चंपारण, को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई खेत में लगी सिंचाई मोटर भी बरामद कर ली। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी

बीएनएम@ शेखपुरा

अरियरी प्रखंड क्षेत्र के बेलछी गांव में मामूली विवाद को लेकर घर पर चढ़कर मारपीट और जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। पीड़ित के अनुसार, कुछ लोग अचानक उनके घर पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। आरोप है कि हमलावरों ने देशी पिस्तौल दिखाकर परिवार के लोगों को भयभीत किया और जान से मारने की धमकी दी। घटना के दौरान मनीष सिंह और विक्की किसी तरह वहां से निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। पुलिस ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग का हंटरः रामगढ़वा में अवैध अस्पताल सील, 25 से अधिक क्लीनिक रडार पर

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा प्रखंड में अवैध रूप से संचालित निजी क्लीनिकों और अस्पतालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) प्रभारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने छापेमारी अभियान चलाते हुए अंश अस्पताल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। स्वास्थ्य विभाग ने इससे पहले क्षेत्र के सभी गैर-पंजीकृत निजी अस्पतालों, क्लीनिकों और पैथोलॉजी केंद्रों को नोटिस जारी कर निर्धारित समय के भीतर अपने वैध लाइसेंस एवं आवश्यक कागजात जमा करने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके कई संस्थानों द्वारा नियमों की अनदेखी किए जाने पर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी। छापेमारी के दौरान अंश अस्पताल खुला मिला, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचते ही वहां मौजूद कथित चिकित्सक और संचालक मौके से फरार हो गए। इसके बाद टीम ने अस्पताल को सील कर दिया। इसके पश्चात टीम ने बांदी क्लीनिक का भी निरीक्षण किया। क्लीनिक संचालक ने बताया कि उन्हें नोटिस उसी दिन प्राप्त हुआ है। इस पर पीएचसी प्रभारी ने उन्हें सभी आवश्यक लाइसेंस और प्रमाण-पत्रों के साथ तत्काल पीएचसी में उपस्थित होने का निर्देश दिया। पीएचसी प्रभारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने बताया कि रामगढ़वा क्षेत्र में 25 से अधिक निजी क्लीनिक और पैथोलॉजी केंद्र संचालित हैं। इनमें से अब तक केवल 14 संस्थानों ने ही अपने दस्तावेज जमा किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जिन संस्थानों ने अब तक कागजात जमा नहीं किए हैं, उनके खिलाफ भी शीघ्र ही छापेमारी कर सील करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अवैध संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा और यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी गैर-कानूनी रूप से संचालित अस्पताल एवं क्लीनिकों पर कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती।

सरकार प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही

मुमकिन है कि सरकार की नजर में कोई मांग नाजायज हो। फिर भी क्या यह लोकतांत्रिक तकाजा नहीं है कि वह संबंधित समूह से संवाद करे और तर्क-वितर्क से किसी सहमति पर पहुंचने का प्रयास करे? दिल्ली के जंतर-मंतर से सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जबरन हटा कर अस्पताल में भर्ती करवाने की पुलिस कार्रवाई से फिर वही संदेश गया है कि वर्तमान सरकार के तहत अपनी शिकायत या मांग रखने की न्यूनतम गुंजाइश भी नहीं बची है। भूख हड़ताल का तरीका उचित है या नहीं अथवा वांगचुक एवं कॉकरोच जनता पार्टी की मांग कितनी उचित है, ऐसे प्रश्न फिलहाल पृष्ठभूमि में चले गए हैं। उनकी जगह इस बुनियादी सवाल ने ली है कि अपने को लोकतंत्र कहने वाली व्यवस्था में कोई समूह अपनी मांग रख रहा हो, तो उसके प्रति सरकार को क्या नजरिया अपनाना चाहिए? मुमकिन है कि सरकार की नजर में वो मांग जायज नहीं हो। फिर भी क्या यह लोकतांत्रिक तकाजा नहीं है कि वह संबंधित समूह से संवाद करे और तर्क-वितर्क से उसके साथ किसी सहमति पर पहुंचने का प्रयास करे? कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म व्यवस्था के शिकार नौजवानों के प्रति उच्च पदस्थ शख्सियतों की हेयदृष्टि का परिणाम है। विभिन्न स्तरों पर परीक्षा व्यवस्था में लगातार उजागर हुई गड़बड़ियों और कथित भ्रष्टाचार से ऊबे छात्र उसका मुख्य समर्थन आधार बने हैं। उनकी ही मांगों पर जोर डालने के लिए वांगचुक 23 दिन से अनशन पर बैठे हैं। इस दरम्यान नरेंद्र मोदी सरकार के किसी मंत्री या अधिकारी ने जंतर-मंतर पर इक_ा लोगों से संवाद की जरूरत नहीं समझी। अब चूंकि संसद का सत्र शुरू हो रहा है और इसके पहले दिन वांगचुक और उनके साथियों ने संसद भवन की तरफ कूच करने का इरादा जताया था, तो सरकार ने अपना रुख और सख्त कर लिया है। मगर यह नजरिया लोकतंत्र में मौजूद हर उस सेफ्टी वॉल्व को बंद करता जा रहा है, जिनके जरिए असंतुष्ट समूहों का गुबार निकलते रहने से व्यवस्था स्थिर बनी रहती है। सरकार के लिए यह समझने का पहलू है कि बात ना करने या शिकायतों को नजरअंदाज करने से असंतोष का समाधान नहीं हो जाता। बल्कि उससे जन मानस में एक किस्म की टूटन होती है, जो व्यवस्था में उनके भरोसे को कम करती है। "कॉकरोचों" की बात ना सुनकर सरकार इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है।

जब छात्रों की आवाज़ पर बैरिकेड खड़े कर दिए जाएँ

कुमार कृष्णन

लोकतंत्र की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि चुनाव कितनी नियमितता से होते हैं, बल्कि इस बात से भी होती है कि सरकार अपने नागरिकों की असहमति को किस दृष्टि से देखती है। जब युवा अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तब सरकार के सामने दो रास्ते होते हैं—संवाद का या दमन का। इतिहास बताता है कि संवाद लोकतंत्र को मजबूत करता है, जबकि दमन केवल असंतोष को स्थगित करता है; समाप्त नहीं करता। नीट पेपर लीक प्रकरण ने पूरे देश में करोड़ों छात्रों और अभिभावकों के मन में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। बिहार, जहाँ प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के जीवन का सबसे बड़ा सहारा हैं, वहाँ इस मुद्दे ने स्वाभाविक रूप से व्यापक राजनीतिक और सामाजिक स्वरूप ग्रहण कर लिया है। दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर छात्र संगठन आइसा ने बिहार बंद का आह्वान किया। इस बंद को राष्ट्रीय जनता दल, विकासशील इंसान पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सहित कई दलों का समर्थन मिला। बंद के आह्वान के साथ ही पटना से लेकर राज्य के विभिन्न जिलों तक प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। राजधानी के वीआईपी क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में बदल दिया गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। वाटर कैनन तैयार रखे गए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम किए, टायर जलाए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इनके पीछे वह गहरी बेचैनी है जो वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं, भर्ती प्रक्रियाओं और रोजगार के संकट से जूझ रहे युवाओं के भीतर जमा होती रही है। पेपर लीक किसी प्रश्नपत्र का अवैध प्रसार भर नहीं है। यह समान अवसर के संवैधानिक सिद्धांत पर सीधा आघात है। जो छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, सीमित संसाधनों में तैयारी करते हैं और अपने परिवारों की उम्मीदों का भार उठाते हैं, उनके लिए प्रश्नपत्र लीक होना केवल परीक्षा का रद्द होना नहीं, बल्कि भविष्य की अनिश्चितता का प्रतीक बन जाता है। बिहार इस पीड़ा को सबसे गहराई से समझता है। राज्य के हजारों गाँवों में ऐसे परिवार हैं जो अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर खर्च करते हैं। कोई खेत गिरवी रखता है, कोई गहने बेचता है, कोई कर्ज लेकर बेटे-बेटी को कोचिंग भेजता है। जब परीक्षा रद्द होती है या उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तब उसका आघात केवल अभ्यर्थी तक सीमित नहीं रहता; पूरा परिवार टूटता है। इसी कारण छात्र आंदोलन को केवल राजनीतिक गतिविधि मान लेना वास्तविक समस्या से आँखें मूँद लेना होगा। यह भी सही है कि राज्य की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। यदि कहीं हिंसा होती है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचता है या न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन होता है, तो पुलिस को कार्रवाई का अधिकार है। लेकिन लोकतांत्रिक शासन की कसौटी यह है कि वह बल प्रयोग को अंतिम विकल्प बनाए, पहला नहीं। शांतिपूर्ण विरोध और हिंसक उपद्रव के बीच स्पष्ट अंतर किया जाना चाहिए।

भारतीय संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने का अधिकार देता है। ये अधिकार निरपेक्ष नहीं हैं, परंतु इन पर लगाए जाने वाले प्रतिबंध भी संविधान की कसौटी पर खरे उतरने चाहिए। लोकतंत्र का उद्देश्य असहमति को समाप्त करना नहीं, बल्कि उसे संवैधानिक ढंग से अभिव्यक्ति का अवसर देना है। दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और उसके विरोध में बिहार बंद की पृष्ठभूमि में यह प्रश्न और महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या सरकार ने संवाद के सभी रास्ते अपनाने के बाद ही कठोर प्रशासनिक उपाय किए? यदि संवाद की संभावना मौजूद थी, तो उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। बिहार का राजनीतिक इतिहास छात्र आंदोलनों से गहराई से जुड़ा है। 1974 का संपूर्ण क्रांति आंदोलन इसी धरती से उठी छात्र चेतना का परिणाम था। उस आंदोलन ने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी। उस समय भी सत्ता ने आंदोलन को कानून-व्यवस्था का प्रश्न बताया था, लेकिन इतिहास ने उसे लोकतांत्रिक जागरण के रूप में स्वीकार किया। आज परिस्थितियाँ भिन्न हैं, लेकिन मूल प्रश्न वही है—क्या युवा अपनी बात कह सकते हैं? और यदि कहते हैं, तो क्या उन्हें सुना जाएगा? यह भी सच है कि किसी भी जनांदोलन में राजनीतिक दल सक्रिय हो जाते हैं। बिहार बंद को कई विपक्षी दलों का समर्थन मिला। सरकार इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास बता सकती है। लेकिन इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता का संकट वास्तविक है। यदि मूल समस्या मौजूद है, तो उसका समाधान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण पक्ष युवाओं का मनोविज्ञान है। बेरोजगारी, भर्ती में विलंब, बार-बार परीक्षा रद्द होना और चयन प्रक्रियाओं पर संदेह—इन सबने युवाओं में गहरी निराशा पैदा की है। यदि इस निराशा का उत्तर केवल पुलिस बल से दिया जाएगा, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास कमजोर पड़ सकता है। सरकार के सामने चुनौती दोहरी है। एक ओर उसे कानून-व्यवस्था बनाए रखनी है, दूसरी ओर युवाओं का विश्वास भी लौटाना है। यह विश्वास केवल आश्वासनों से नहीं लौटेगा। इसके लिए पारदर्शी जांच, दोषियों पर त्वरित कार्रवाई, समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया और परीक्षा प्रणाली में तकनीकी तथा प्रशासनिक सुधार आवश्यक होंगे। इसी प्रकार छात्र संगठनों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक आंदोलन की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक बल होता है। यदि आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा, तथ्यों पर आधारित रहेगा और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करेगा, तो उसकी नैतिक वैधता कहीं अधिक मजबूत होगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार विपक्ष को शत्रु और छात्र संगठनों को अपराधी मानने की प्रवृत्ति से बचे। विपक्ष को भी आंदोलन को केवल राजनीतिक अवसर के रूप में नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के प्रश्न के रूप में देखना चाहिए। नीट पेपर लीक का संकट केवल शिक्षा का संकट नहीं है; यह शासन, पारदर्शिता और सार्वजनिक विश्वास का संकट है। यदि लाखों छात्र यह महसूस करने लगें कि मेहनत से अधिक महत्व भ्रष्ट नेटवर्क का है, तो लोकतंत्र की आधारशिला कमजोर पड़ने लगती है। बिहार के लिए यह समय आत्ममंथन का है। यह राज्य प्रतिभा की कमी से नहीं, अवसरों की कमी से जूझ रहा है। यहाँ के युवा देश की लगभग हर बड़ी प्रतियोगी परीक्षा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता उनके लिए जीवन-मरण का प्रश्न है। सरकार यदि वास्तव में इस संकट का समाधान चाहती है, तो उसे पुलिस कार्रवाई से आगे बढ़कर संस्थागत सुधारों पर ध्यान देना होगा। परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करनी होगी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को तकनीकी रूप से मजबूत बनाना होगा, पेपर लीक में शामिल संगठित गिरोहों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी और छात्रों को समयबद्ध न्याय का भरोसा देना होगा। लोकतंत्र की शक्ति बैरिकेडों में नहीं, भरोसे में होती है। भरोसा संवाद से बनता है, दमन से नहीं। यदि छात्र अपने भविष्य की रक्षा के लिए सड़कों पर हैं, तो उन्हें केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानना दूरदर्शी राजनीति नहीं होगी।

अंततः प्रश्न केवल बिहार बंद का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था अपने युवाओं की बेचैनी को सुनने के लिए तैयार है? क्या वह उनके सवालों का जवाब पारदर्शिता और जवाबदेही से देगी, या हर बार पुलिस बल को ही पहला उत्तर बनाएगी? इतिहास का अनुभव बताता है कि सत्ता की वास्तविक मजबूती विरोध को दबाने में नहीं, बल्कि उसे सुनने और उसका समाधान खोजने में होती है। यदि सरकार इस अवसर को संवाद और सुधार में बदलती है, तो यह लोकतंत्र की जीत होगी। लेकिन यदि असहमति का हर स्वर बैरिकेडों और गिरफ्तारियों के बीच दबा दिया जाएगा, तो हार केवल छात्रों की नहीं, लोकतांत्रिक मूल्यों की भी होगी। आज बिहार की सड़कों पर जो संघर्ष दिखाई दे रहा है, वह केवल एक परीक्षा का संघर्ष नहीं है; वह भरोसे, न्याय और समान अवसर की लड़ाई है। इस लड़ाई का उत्तर लाठी नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और संवैधानिक संवाद होना चाहिए। यही लोकतंत्र की असली कसौटी है और यही किसी भी जिम्मेदार शासन की सबसे बड़ी परीक्षा।

सीड बॉल अभियान- हरियाली बढ़ाने का सरल और प्रभावी माध्यम

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

-जनभागीदारी से साकार हो रहा हरित छत्तीसगढ़ का संकल्प

सीड बॉल पर्यावरण को हरा-भरा बनाने और वनीकरण (रिफॉरेस्टेशन) का एक बेहद सरल, किफायती और अत्यधिक प्रभावी माध्यम है। इसमें बीजों को मिट्टी और जैविक खाद के मिश्रण से छोटी-छोटी गोलियों के रूप में सुरक्षित कर दिया जाता है, जिससे वे बिना मेहनत के दुर्गम स्थानों पर भी उग जाते हैं। सीड बॉल-बीज, मिट्टी (मुख्य रूप से चिकनी मिट्टी) और जैविक खाद (गोबर या वर्मीकम्पोस्ट) का एक छोटा और सूखा गोला होता है। बीजों को इस प्राकृतिक आवरण में लपेटकर सुखा लिया जाता है। मानसून की पहली अच्छी बारिश के बाद जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो, तब सीड बॉल्स का उपयोग करना सबसे अच्छा होता है। इन्हें यात्रा करते समय या खाली जगहों पर पैदल चलते हुए मिट्टी पर बिखेर दें। पानी के संपर्क में आते ही ये पौधे के रूप में विकसित होना शुरू हो जाती हैं।

बारिश का मौसम पौधारोपण और वनों के विस्तार के लिए सबसे उपयुक्त समय माना जाता है। इसी उद्देश्य से वन विभाग द्वारा सीड बॉल (बीज गोला) अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान जनभागीदारी के माध्यम से ऐसे क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने का प्रभावी प्रयास है, जहाँ पौधारोपण करना कठिन होता है।

क्या है सीड बॉल?: सीड बॉल मिट्टी, गोबर या जैविक खाद और विभिन्न वृक्षों के बीजों से तैयार किया गया छोटा गोलाकार गोला होता है। इसे जंगलों, पहाड़ियों, खाली भूमि और दुर्गम क्षेत्रों में फेंक दिया जाता है। वर्षा का पानी मिलने पर बीज अंकुरित होकर पौधों का रूप ले लेते हैं।

वन विभाग का हरित अभियानः मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा एक पेड़ मां के नाम, वन महोत्सव तथा युवा फॉर

नेचर जैसे अभियानों के साथ सीड बॉल कार्यक्रम को भी व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। स्कूलों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों और स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से हजारों-लाखों सीड बॉल तैयार कर जंगलों और खाली भूमि में डाली जा रही हैं।

जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिकाः सीड बॉल में महुआ, इमली, हर्रा, बहेड़ा, जामुन, करंज, नीम, बरगद, पीपल, आम, जामुन, शाल, बीजा, चार, खमार सहित स्थानीय प्रजातियों के बीजों का उपयोग किया जाता है। इससे प्राकृतिक वनों का विस्तार होता है, वन्यजीवों को भोजन और आश्रय मिलता है तथा जैव विविधता का संरक्षण भी सुनिश्चित होता है।

पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यमः सीड बॉल अभियान से हरित आवरण बढ़ने के साथ-साथ जल संरक्षण, मिट्टी के क्षरण या कटाव में कमी, कार्बन अवशोषण तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी सहायता मिलती है। यह कम लागत में अधिक क्षेत्र को हरित बनाने का प्रभावी उपाय है।

जनभागीदारी से बनेगा हरित भविष्यः वन विभाग का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। जब बच्चे, युवा, महिलाएं और ग्रामीण इस अभियान से जुड़ते हैं, तो हर व्यक्ति प्रकृति संरक्षण का सहभागी बनता है।

हर नागरिक निभाए अपनी जिम्मेदारीः यदि प्रत्येक नागरिक वर्षा ऋतु में कुछ सीड बॉल तैयार कर उपयुक्त स्थानों पर डाले या पौधारोपण में भागीदारी करे, तो आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ का हरित क्षेत्र और अधिक समृद्ध होगा। सीड बॉल अभियान प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी निभाने का एक सरल, सुलभ और प्रभावी माध्यम है। लेखक संयुक्त संचालक, सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं

स्वस्थ भोजन हर नागरिक का अधिकार

कांतिलाल मांडोत

भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिस समाज के लोगों को संतुलित और पौष्टिक भोजन नहीं मिलता वहां बीमारियां बढ़ती हैं, बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है और देश की कार्यक्षमता भी कमजोर पड़ती है। संयुक्त राष्ट्र की 'स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड' (SOFI) 2026 रिपोर्ट ने एक गंभीर चिंता सामने रखी है कि भारत में लगभग 52 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनकी पहुंच आज भी नियमित रूप से पौष्टिक और संतुलित आहार तक नहीं है।

यह स्थिति तब है जब देश ने पिछले वर्षों में कुपोषण कम करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसका अर्थ यह है कि समस्या केवल भोजन की उपलब्धता की नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण भोजन की भी है।

आज बाजार में फल, सब्जियां, दूध, दालें, अंडे, मेवे और अन्य प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। सीमित आय वाले परिवारों के लिए रोजाना संतुलित भोजन जुटाना आसान नहीं रह गया है। कई परिवार पेट भरने के लिए सस्ता भोजन तो खरीद लेते हैं लेकिन उसमें आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। इसका असर सबसे पहले बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों पर दिखाई देता है। शरीर को पर्याप्त प्रोटीन, विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्व नहीं मिलते तो प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और कई बीमारियां घर कर लेती हैं। सेवाओं, मध्याह्न भोजन योजना और जनजागरूकता के कारण लाखों परिवारों तक बेहतर पोषण पहुंचा है। लेकिन चुनौती अभी समाप्त नहीं हुई है। आज भी अनेक लोग आर्थिक मजबूरी के कारण पौष्टिक भोजन से दूर हैं। यही कारण है कि एक ओर कुपोषण की समस्या बनी हुई है तो दूसरी ओर मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसका कारण यह है कि लोग सस्ता और तला-भुना या अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन अधिक खाने लगे हैं, जिसमें स्वाद तो होता है लेकिन पोषण कम होता है। आज का सबसे बड़ा संकट केवल महंगाई नहीं बल्कि भोजन की गुणवत्ता भी है। बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थों की भरमार चिंता बढ़ाने वाली है। दूध में मिलावट, मसालों में नकली रंग, मिठाइयों में घटिया सामग्री, नकली घी, मिलावटी तेल, रसायनों से पकाए गए फल और सब्जियां तथा खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ लोगों के स्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़ कर रहे हैं। उपभोक्ता पैसे खर्च करके भी शुद्ध भोजन नहीं खरीद पा रहा है। यह

स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए उचित नहीं कही जा सकती। बाहर का भोजन भी लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। भागदौड़ भरी जिंदगी में फास्ट फूड और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ा है। इन खाद्य पदार्थों में अधिक मात्रा में नमक, चीनी और वसा होती है। स्वाद के लिए लोग इन्हें पसंद तो करते हैं लेकिन धीरे-धीरे यही भोजन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। विशेष रूप से युवाओं और बच्चों में यह प्रवृत्ति चिंता का विषय बनती जा रही है। दरअसल, स्वस्थ रहने के लिए महंगे भोजन की नहीं बल्कि संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। दालें, मौसमी सब्जियां, मोटे अनाज, दूध, दही, अंकुरित अनाज और स्थानीय फल अपेक्षाकृत कम खर्च में भी अच्छा पोषण दे सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि लोग खानपान के प्रति जागरूक हों और जितनी क्षमता हो, उसके अनुसार पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता दें। कम मात्रा में सही भोजन लेना, अधिक मात्रा में अस्वस्थ भोजन खाने से कहीं बेहतर है। सरकार की जिम्मेदारी है कि गरीब और मध्यम वर्ग तक पौष्टिक भोजन सुलभ कीमत पर पहुंचे। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और मजबूत बनाने, पोषण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने, खाद्य पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण रखने और किसानों को उचित समर्थन देने की आवश्यकता है। यदि उत्पादन बढ़ेगा और आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी तो कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। लेकिन केवल सरकार से अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं है। समाज, उद्योग और बाजार की भी बड़ी जिम्मेदारी है। खाद्य व्यापार से जुड़े लोगों को यह समझना होगा कि भोजन केवल व्यापार की वस्तु नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। कुछ अतिरिक्त मुनाफे के लिए मिलावट करना, नकली सामग्री बेचना या घटिया गुणवत्ता का सामान बाजार में उतारना केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि मानवता के साथ विश्वासघात है। जिस भोजन से लोगों का शरीर बनता है, उसी में जहर घोलना सबसे बड़ा अपराध माना जाना चाहिए। बाजार को आत्मचिंतन करना होगा। व्यापार का उद्देश्य लाभ कमाना अवश्य है, लेकिन लाभ का अर्थ लोगों के स्वास्थ्य से समझौता करना नहीं हो सकता। खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियां, डेयरी उद्योग, मिठाई विक्रेता, होटल, रेस्तरां और किराना व्यापारी सभी को गुणवत्ता और शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि उपभोक्ता का विश्वास टूट गया तो बाजार की विश्वसनीयता भी समाप्त हो जाएगी। इसलिए ईमानदारी से शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रत्येक व्यापारी का नैतिक दायित्व है। उपभोक्ताओं को भी सजग रहना होगा। बिना जांचे-परखे सस्ते उत्पाद खरीदने के बजाय गुणवत्ता को महत्व देना चाहिए। घर का ताजा भोजन, मौसमी फल-सब्जियां और संतुलित आहार अपनाने की आदत स्वास्थ्य की सबसे बड़ी सुरक्षा है। बच्चों में भी बचपन से पौष्टिक भोजन की आदत विकसित करनी होगी ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और सक्षम बन सके। भारत ने कुपोषण कम करने की दिशा में निश्चित रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यह सकारात्मक संकेत है कि पहले जैसी भयावह स्थिति अब नहीं रही। लेकिन जब तक देश का प्रत्येक नागरिक पौष्टिक, सुरक्षित और शुद्ध भोजन प्राप्त करने में सक्षम नहीं होगा, तब तक विकास की यात्रा अधूरी रहेगी। स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र की नींव होते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आएगा। स्पोर्ट से जुड़े लोगों को आज किसी बड़े टूर्नामेंट में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर मिलेगा। आज वित्तीय योजनाओं से जुड़े कामों पर ध्यान देंगे ,धन लाभ के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी महत्वपूर्ण काम में विशेष फायदा होने वाला है। आज घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज किसी विशेष काम के प्रति आपकी बहुत अधिक मेहनत होगी और उसके सकारात्मक परिणाम भी मिलेंगे। अगर प्रॉपर्टी से जुड़ा काम रुका हुआ है , तो उससे संबंधित फैसले लेने के लिए समय अनुकूल है। आज धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज पिछले कुछ समय से किसी कार्य को लेकर चल रही योजनाएं कामयाब होगी। आपकी लगन और मेहनत से आपको उचित परिणाम प्राप्त होगा। आज आपका सहयोग परिवारजनों का हिम्मत और हौसला बढ़ाएगा। मोबाइल व ई-मेल द्वारा आज शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कर्क राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में जरूरत पड़ने पर भाइयों या नजदीकी मित्रों का सहयोग मिलेगा और उनकी सलाह आने वाले दिनों में कारगर साबित होगी। आज किसी अनजान व्यक्ति से उलझने से बचें। आज ऑफिस के माहौल में राजनीति जैसी स्थिति रहेगी।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लायेगा। आज दिन भर कुछ ना कुछ नया और बेहतर करने के बारे सोचेंगे। आज आपकी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर होने के योग बन रहे है। अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए नई योजनाएं बनाएंगे पिता जी से आर्थिक मदद मिलेगी। आज किसी भी प्रकार की समस्या में परिवार का सहयोग आपके लिए मददगार साबित होगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आपकी सकारात्मक सोच और खुशमिजाज स्वभाव से दिनचर्या में बेहतर बदलाव देखने को मिलेगा। आज आप अपने आत्मविश्वास और ऊर्जा द्वारा अन्य कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। अपने भविष्य की योजनाओं को लेकर अधिक सक्रिय और गंभीर रहेंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज अचानक ही किसी खास मित्र के साथ मुलाकात होगी, और किसी विशेष मुद्दे पर लाभदायक विचार-विमर्श होंगे। व्यक्तिगत कामों में व्यस्तता रहेगी, लेकिन आप सभी गतिविधियों को व्यवस्थित करने में सफल रहेंगे और खुद को सकारात्मक और ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज घर परिवार के मामलों में अपनी उपस्थिति और सहयोग देना जरूरी है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है आज दिन की शुरुआत में ही खुशखबरी मिलने से पूरा दिन खुशनुमा बीतेगा। आज आपको प्रभावशाली और अनुभवी व्यक्ति के सानिध्य में समय बिताने का मौका मिलेगा इससे आपके व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज घर में बदलाव या सुधार संबंधी योजना बन रही है तो उस पर काम करने के लिए अच्छा समय है। कोशिश करने पर मनचाहा काम पूरा हो सकता है। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने की पूरी संभावना है। अध्ययनरत युवाओं को पढ़ाई में उचित सफलता मिलेगी। आज व्यापार संबंधी फैसला जल्दबाजी में न लें।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में कार्यभार की अधिकता की वजह से ओवरटाइम भी करना पड़ेगा। विवाहित जीवन मधुरता से परिपूर्ण रहेगा।घर में बड़े बुजुर्गों के अनुशासन व देखरेख से व्यवस्था उचित बनी रहेगी। लवमेट आज एक दूसरे को उपहार देंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपकी मेहनत के अच्छे नतीजे मिलने का योग हैं। आज किसी प्रशासनिक कार्य में प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति की मदद मिल सकती हैं जिससे आपका अधूरा काम पूरा हो जाएगा। व्यवसाय में आज आप कुछ नया करने का मन बनायेंगे।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज व्यस्तता के बावजूद सभी कार्य सहज रूप से पूरे हो जाएंगे घर में आए मेहमानों का उचित आवभगत भी करेंगे। किसी प्रकार के निवेश से पहले उस विषय के जानकर किसी अनुभवी की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, पहले दी गई किसी परीक्षा का परिणाम आपके पक्ष में आयेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ईशान किशन ने वैभव सूर्यवंशी को सोशल मीडिया से दूर रहने की दी महत्वपूर्ण सलाह

एजेंसी, हरारे

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि उन्होंने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को सोशल मीडिया से दूर रहते हुए केवल खेल पर ही ध्यान देने को कहा है। ईशान ने बताया कि ड्रेसिंग रूम में वह और उनके साथी 15 साल के वैभव से कहते हैं कि उसे हमारी की हुई गलतियों से बचना होगा। साथ ही उसे बाहरी शोर और सोशल मीडिया से दूर रहकर सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना चाहिये। साथ ही कहा कि यह सलाह केवल खेल के मैदान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैभव के पूरे करियर को सही दिशा देने के लिए एक अहम सुझाव है। ईशान ने कहा कि वैभव अपनी कम उम्र के बावजूद काफी समझदार और परिपक्व हैं। उसे ये समझना होगा कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो आपको किन चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और किन बाहरी प्रभावों से बचना चाहिए। ईशान के अनुसार, वैभव काफी समझदार है। वह जानता है कि उसे मैदान पर और मैदान के बाहर अपने को कैसे संभालना है। भारत के लिए खेलते समय यह समझना जरूरी है कि किस चीज पर ध्यान देना है। उन्होंने साथ ही कहा कि मैं, अभिषेक शर्मा, अक्षर पटेल और बाकी खिलाड़ी उसे हमेशा यही कहते हैं कि सोशल मीडिया या बाहरी शोर पर नहीं, सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान दो। यह एक सामूहिक प्रयास है जिसका उद्देश्य वैभव को अनावश्यक दबावों और भटकावों से बचाना है। ईशान के अनुसार वह नहीं चाहते कि वैभव अपने करियर की शुरुआत में वही गलतियां दोहराएं, जो उन्होंने कभी खुद की थीं। उनका मानना है कि यदि युवा बल्लेबाज शुरू से ही बाहरी प्रभावों और अनावश्यक दबाव से दूर रहेगा, तो वह लंबे समय तक भारतीय टीम का एक महत्वपूर्ण और अटूट हिस्सा बना रह सकता है। यह सलाह वैभव के लिए अनमोल है, क्योंकि ईशान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं और बाहरी अपेक्षाओं के दबाव को महसूस किया है। ईशान का मानना है कि सही मार्गदर्शन से वैभव अपने खेल पर पूरी तरह से ध्यान दे पायेंगे। जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन कर पायेंगे। वैभव ने हाल ही में अपने प्रदर्शन से अपनी क्षमत का सबूत भी दिया है। इंग्लैंड दौरे पर निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शानदार अर्धशतक लगाकर वापसी की। सीनियर्स द्वारा दिया जा रहा यह मार्गदर्शन उभरते हुए क्रिकेटर के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दिखाता है कि टीम में एक स्वस्थ माहौल है जहां युवा खिलाड़ियों को केवल दबाव में धकेलने की बजाय उन्हें समझने और संभालने में मदद की जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में जयवर्धने, पोंटिंग सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे अधिक कैच

एजेंसी, मुम्बई

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ ही फिल्डिंग का भी खासा महत्व है। अच्छी फिल्डिंग के जरिये मैचों का रुख बदलते हुए देखा गया है। इस कारण एक कहावत है कैच पकड़ों और मैच जीतो। इसी कारण टीमें शुरुआत से ही फिल्डिंग पर जोर देती रही हैं। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक फील्डर हुए हैं। जिन्होंने टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों प्रारूपों में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान किया है। सबसे अच्छे फील्डरों में श्रीलंका के माहेला जयवर्धने सहित ये नाम शामिल हैं।

महेला जयवर्धने : श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने सबसे अच्छे फील्डरों मे शीर्ष पर हैं। साल 1997 से 2015 तक चले अपने 18 साल के शानदार करियर में जयवर्धने ने 652 मैचों की 768 पारियों में कुल 440 कैच लिए हैं।

रिकी पोंटिंग : वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के महानतम कप्तानों और बल्लेबाजों में शुमार रिकी पोंटिंग हैं। 1995 से 2012 के दौरान पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 560 मैचों की 717 पारियों में 364 कैच अपने नाम किए।

रॉस टेलर : न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक रॉस टेलर इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। 2006 से शुरू हुए अपने लंबे अंतर्राष्ट्रीय करियर में टेलर ने 454 मैचों की 550 पारियों में 354 कैच पकड़े हैं। स्लिप में रॉस टेलर की निरंतरता कमाल की थी।

स्टीव स्मिथ : चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के आधुनिक दौर के सबसे एकाग्र और तकनीकी रूप से निपुण खिलाड़ी स्टीव स्मिथ खड़े हैं। 2010 से अब तक अपने अंतर्राष्ट्रीय सफर में स्मिथ ने 360 मुकाबले खेले हैं, जिनकी 472 पारियों में उन्होंने 346 कैच अपने हाथों में सुरक्षित किए हैं।

विराट कोहली : इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर भारतीय क्रिकेट के रन मशीन और पूर्व कप्तान विराट कोहली का नाम है। 2008 से अब तक अपने शानदार करियर में कोहली ने भारत के लिए 562 मैच खेले हैं, जिनकी 671 पारियों में उनके नाम 344 कैच दर्ज हैं।

मैनचेस्टर सिटी में एलियट एंडरसन के खेल पर रहेंगी नजरें

एजेंसी, लंदन। मैनचेस्टर सिटी के सबसे महंगे खिलाड़ी मिडफील्डर एलियट एंडरसन की अब लीग में कड़ी परीक्षा होगी। एलियट के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सिटी ने उसे रिकार्ड 116 मिलियन पाउंड में अपने साथ जोड़ा है। इससे 23 वर्षीय एंडरसन ब्रिटेन के सबसे महंगे फुटबॉलर हैं, जो उनकी प्रतिभा और बढ़ती मांग को दर्शाता है।यह घटनाक्रम इस बात की स्पष्ट पुष्टि करता है कि प्रीमियर लीग क्लब अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए शीर्ष प्रतिभाओं पर कितनी बड़ी रकम खर्च करने को तैयार हैं, खासकर जब बात स्टार खिलाड़ियों

की हो। यह भी बताया जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरुआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था, जिसे नॉटिंघम फॉरेस्ट ने अपनी मांग पर अड़े रहते हुए अस्वीकार कर दिया था। फॉरेस्ट प्रबंधन एंडरसन की असाधारण प्रतिभा और पिछले सत्र के प्रदर्शन को देखते हुए एक बड़ी कीमत पर अडिग था, जिसका परिणाम यह रिकॉर्ड-तोड़ सौदा है। एंडरसन का पिछला प्रीमियर लीग सत्र उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रहा, जहां उन्होंने नॉटिंघम फॉरेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई।

उन्होंने लीग के सभी 38 मुकाबलों में हिस्सा लिया और केवल एक बार ही शुरुआती एकादश से बाहर रहे, जो उनकी निरंतरता, फिटनेस और मैच-विनिंग क्षमता का प्रमाण है। उनकी इस निरंतरता और प्रभावशीलता ने ही उन्हें प्रीमियर लीग के सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में से एक की नजरों में ला खड़ा किया।

31 जुलाई से शुरु होगा डीपीएल सत्र, ऋषभ, ईशांत भी खेलते दिखेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट का तीसरा सत्र 31 जुलाई से शुरु होगा। इसमें ऋषभ पंत, अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के अलावा नीतीश राणा, नवदीप सैनी और प्रिंस यादव जैसे अनुभवी खिलाड़ी आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। यह रोमांचक टूर्नामेंट 31 जुलाई से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगा। इसमें राजधानी की सबसे अच्छी क्रिकेट प्रतिभाएं खेलती दिखेंगी। इस लीग ने बहुत कम समय में ही अपनी पहचान बनायी है। इससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए अपने फॉर्म को हासिल करने और युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का भी एक अच्छा अवसर रहता है। इसके पिछले सत्र में वेस्ट दिल्ली लायंस ने राणा की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार डीपीएल खिताब जीता था। इस जीत ने न केवल टीम का मनोबल बढ़ा बल्कि लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर भी बढ़ा है। इस बार भी यह देखना होगा कि क्या दिल्ली लायंस टीम अपने खिताब का बचाव कर पाते हैं या नहीं।पुरुष प्रतियोगिता के अलावा इस लीग के महिला टर्नामेंट में भी रोमांच की कोई कमी नहीं रहने वाली है। देश की कई प्रमुख महिला क्रिकेटर इस मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी, जिनमें स्टार खिलाड़ी श्वेता सहरावत, अनुभवी प्रिया पुनिया, सोनी यादव और आयुषी सोनी जैसे नाम प्रमुख हैं।

पीसीबी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम में दो नये खिलाड़ियों शफीक और शकील को शामिल किया

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी टेस्ट श्रृंखलाओं के देखते हुए अपनी टीम में दो नए खिलाड़ियों सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और मध्यक्रम के बल्लेबाज सऊद शकील को शामिल किया है। इन दोनो को वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी टेस्ट श्रृंखला और उसके बाद इंग्लैंड दौरे को देखते हुए शामिल किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान को तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। शफीक को चोटिल अब्दुल्ला फजल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है, जबकि शकील को विदेशी पिचों पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए शामिल किया गय है। पिछले कुछ समय मे युवा सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने घरेलू क्रिकेट में अच्छे शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। जिससे उन्हें टीम में जगह मिली है। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके पास अच्छा रिकॉर्ड है, जिसमें शतक और अर्धशतक शामिल हैं। वह अपनी तकनीक और धैर्य के लिए जाने जाते हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह अब्दुल्ला फजल की अनुपस्थिति में शीर्ष क्रम को अच्छी शुरुआत देंगे। । शफीक की क्षमता पर चयनकर्ताओं का भरोसा यह दर्शाता है कि वे युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखने के लिए उत्सुक हैं।

वहीं, सऊद शकील को टीम में शामिल करना पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप को गहराई देने की रणनीति का हिस्सा है। शकील ने भी घरेलू सर्किट में लगातार काफी रन बनाए हैं और उन्हें मध्यक्रम में एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में आई कमी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,45,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आईएएस केशव चंद्र ने संभाला खान सचिव का पदभार

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी केशव चंद्र ने सोमवार को भारत सरकार के खान सचिव का पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने से पहले वह नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष (चेयरमैन) के रूप में कार्यरत थे। खान मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, केशव चंद्र अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 1995 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

उन्होंने पीयूष गोयल का स्थान लिया है, जिन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का महासचिव नियुक्त किया गया है। पदभार संभालने के तुरंत बाद केशव चंद्र ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं, चल रही गतिविधियों और विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें मंत्रालय की प्रमुख पहलों और उनके क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति से विस्तार से अवगत कराया।

गल्फ लॉयड्स ने निवेशकों को दिया करारा झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

विभिन्न उद्योगों के लिए थर्ड पार्टी ऑडिटिंग, इंस्पेक्शन, सर्टिफिकेशन और ट्रेनिंग की सर्विस देने वाली कंपनी गल्फ लॉयड्स (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 100 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही गिर कर 95 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर पांच रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। गल्फ लॉयड्स (इंडिया) लिमिटेड 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 10.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.86 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 18.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,19,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ऑफिस प्रेमिसेज के कैपिटल एक्सपेंडिचर, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। गल्फ लॉयड्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत नजर आती है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह 2025-26 में कंपनी को 35.97 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई थी। कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 13.48 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इस अवधि में गल्फ लॉयड्स के पास 8.71 करोड़ रुपये का रिजर्व और सरप्लस था। अगर कंपनी की ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 7.90 करोड़ रुपये के स्तर पर थी। अगर कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ की बात करें तो 2025-26 के अंत तक गल्फ लॉयड्स पर 15.68 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लदा हुआ था।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

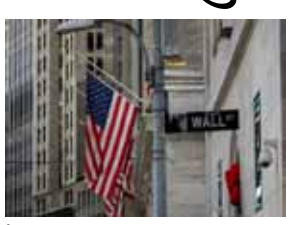

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने की वजह से ग्लोबल मार्केट से आज भारतीय बाजार के लिए पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। पश्चिम एशिया के तनाव की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 7,411.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,975.82 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 293.58 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 52,240.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 97.06 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,736.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,372.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 335.88 अंक यानी 1.34 प्रतिशत उछल कर 25,099 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

पश्चिम एशिया में जंग थमते ही लुढ़का कच्चा तेल, ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड में 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में पिछले दो सप्ताह से अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग के थमने का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर भी नजर आ रहा है। दोनों देशों द्वारा बमबारी रोकने के कारण आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत में जबरदस्त गिरावट आ गई। ब्रेंट क्रूड फिसल कर 91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड लुढ़क कर 85 डॉलर के स्तर के करीब आ गया। आपको बता दें कि सीजफायर खत्म होने के बाद अमेरिका और ईरान दोनों देशों ने एक दूसरे के ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए थे। दोनों देश एक दूसरे के ठिकानों पर लगातार 14 दिन तक बमबारी करते रहे, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई थी। अब दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर हमला रोकने के बाद आज के कारोबार में कच्चे तेल की कीमत में तेज गिरावट दर्ज की गई है। आज कच्चे तेल की कीमत में सात प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की वजह से ब्रेंट क्रूड लुढ़क कर 91.33 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी लुढ़क कर 84.07 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 6044 डॉलर प्रति बैरल यानी 6.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.94 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट का असर आज घरेलू शेयर बाजार के शुरुआती कारोबार के दौरान भी नजर आ रहा है। आज पहले घंटे के कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और भी तेजी आई। हालांकि पहले आधे घंटे का कारोबार होने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से इन दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट में लिस्टेड दिग्गज कंपनियों में से इंटरग्लोब एविएशन, एटरनल, इंफोसिस, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा के शेयर 3.67 प्रतिशत से लेकर 2.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ओएनजीसी, विप्रो, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज और सिप्ला के शेयर 2.51 प्रतिशत से लेकर 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,807 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,282 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 525 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 26 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर चार शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

दिल को छू लेने वाली फिल्म 'मैक्स, मिन एंड म्याऊज़ाकी'

गंभीर मुद्दों और मनोरंजन का एक खूबसूरत और हल्का-फुल्का संगम। आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में सराही गई फिल्मों को लेकर दर्शकों के मन में यह धारणा बनी रहती है कि वे बेहद गंभीर, विचारोत्तेजक और किसी भारी-भरकम सामाजिक मुद्दे पर ही केंद्रित होंगी। लोग मान लेते हैं कि ऐसी फिल्मों में मनोरंजन और ताजगी की गुंजाइश बहुत कम होगी या बिल्कुल नहीं होगी। लेकिन बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुई फिल्म 'मैक्स, मिन एंड म्याऊज़ाकी' इस पारंपरिक धारणा को पूरी तरह से तोड़ती नजर आती है। पाम स्प्रिंग्स, सोनोमा, सैन फ्रांसिस्को, ओसाका, स्टटगार्ट, सिनसिनाटी, बर्लिन इंडो-जर्मन फिल्म वीक और कनाडा के प्रतिष्ठित आरआईएफएफ (RIFFA) सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म सम्मेलनों में सम्मानित यह फिल्म जितनी विचारोत्तेजक और संवेदनशील है, उतनी ही हल्की-फुल्की और दिल को छू लेने वाली भी है। यह जीवन के छोटे-छोटे पलों को सहेजने वाली एक खूबसूरत स्लाइस-ऑफ-लाइफ और फील-गुड सिनेमा का उम्दा उदाहरण है।

फिल्म की कहानी मुख्य रूप से मैक्स (सिद्धार्थ मेनन) और मिन (मेधा शंकर) के ब्रेकअप से शुरू होती है। जब दोनों रिश्ते में थे, तब उन्होंने अपनी पालतू बिल्ली का नाम 'म्याऊज़ाकी' रखा था। यह नाम रखने की वजह भी बेहद दिलचस्प थी—वे दोनों ही मशहूर जापानी फिल्म निर्माता और एनिमेटर हयाओ मियाज़ाकी की फिल्मों के बहुत बड़े प्रशंसक थे। कहानी में मोड़ तब आता है जब मिन एक नए रिश्ते में जुड़कर अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी है, लेकिन मैक्स इस टूटे हुए रिश्ते के सदमे से अभी तक पूरी तरह उबर नहीं पाया है। ब्रेकअप के बाद दोनों अपना-अपना सामान अलग कर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ा भावनात्मक और उलझा हुआ सवाल यह खड़ा होता है कि उनकी प्यारी बिल्ली म्याऊज़ाकी आखिर किसके हिस्से में आएगी? आखिरकार सहमति बनने पर म्याऊज़ाकी मैक्स के पास ही रह जाती है, जबकि मिन एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति के साथ अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर लेती है।

एक तरफ जहाँ ब्रेकअप के गम और अपनी माँ के निधन के दोहरे दर्द से जूझ रहे मैक्स के लिए बिल्ली म्याऊज़ाकी एक बड़े भावनात्मक सहारे के रूप में सामने आती है, वहीं दूसरी तरफ कहानी के अन्य पात्र भी अपने-अपने जीवन के भावनात्मक उतार-चढ़ावों से संघर्ष कर रहे हैं। मैक्स के बिजनेसमैन पिता रमेश (आदिल हुसैन) भी अंदरूनी तनाव से गुजर रहे हैं, जिनके लिए उनकी थैरेपिस्ट धारा (मंदिरा बेदी) एक मानसिक राहत और संबल देने का काम करती हैं। इसी दौर में मैक्स के अकेलेपन में एक नया मोड़ तब आता है जब उसकी मुलाकात बिल्ली की देखभाल करने वाली कैट-सिटर कैरल (विधात्री बंदी) से होती है। कैरल धीरे-धीरे मैक्स के करीब आती है और उसकी एक अच्छी दोस्त बन जाती है।

यह फिल्म केवल दो युवाओं के टूटे हुए दिल की दास्तान भर नहीं है, बल्कि यह हर उम्र के इंसान की उस तड़प को दर्शाती है जो वह जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अपनों के साथ या किसी सहारे की तलाश में महसूस करता है। आदिल हुसैन का अभिनय पिता की उस खामोश तन्हाई को बयां करता है, जिसे अक्सर समाज में अनदेखा कर दिया जाता है, जबकि मंदिरा बेदी अपने अभिनय से कहानी में एक ठहराव लाती हैं। वहीं सिद्धार्थ मेनन और विधात्री बंदी के बीच पनपती अनकही दोस्ती आधुनिक महानगरों के उस अकेलेपन को छूती है जहाँ इंसान अपने गमों को बाँटने के लिए किसी नए साथी या जानवर की मूक आत्मीयता में पनाह ढूँढता है। फिल्म का संगीत और सिनेमैटोग्राफी बेहद सुकून देने वाली है, जो दर्शकों को किसी भारी दबाव में डाले बिना जीवन की जटिलताओं को मुस्कुराकर स्वीकार करने का नज़रिया देती है। कुल मिलाकर, 'मैक्स, मिन एंड म्याऊज़ाकी' आधुनिक दौर के रिश्तों, अकेलेपन, जुड़ाव और मानवीय संवेदनाओं को बेहद सहज, मनोरंजक और दिल को छू लेने वाले अंदाज में पर्दे पर पेश करती है।

टाइगर श्रॉफ-जाह्नवी कपूर और लक्ष्य की फिल्म लग जा गले कब होगी रिलीज?

बॉलीवुड में नई जोड़ियों और अनोखी तिकड़ियों को पर्दे पर देखने का उत्साह हमेशा बना रहता है। इसी कड़ी में अब एक नया नाम जुड़ गया है—टाइगर श्रॉफ, जाह्नवी कपूर और लक्ष्य। यह तिकड़ी पहली बार एक साथ फिल्मी पर्दे पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनकी आगामी बहुचर्चित फिल्म 'लग जा गले' की आधिकारिक रिलीज तारीख की घोषणा कर दी गई है, जिसने दर्शकों और प्रशंसकों के बीच अभी से ही जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन राज मेहता कर रहे हैं, जो इससे पहले 'गुड न्यूज़', 'जुग जुग जीयो' और 'सेल्फी' जैसी सफल और लोकप्रिय फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। अपनी हल्की-फुल्की और पारिवारिक ड्रामा फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले राज मेहता 'लग जा गले' के जरिए पहली बार एक्शन से भरपूर शैली में कदम रख रहे हैं, जो उनके करियर का एक नया मोड़ साबित हो सकता है। फिल्म का निर्माण करण जौहर के मशहूर बैनर 'धर्मा प्रोडक्शंस' के तहत किया गया है। बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही यह फिल्म अगले साल गर्मी की छुट्टियों के दौरान दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। मेकर्स ने इसकी रिलीज तारीख 14 मई, 2027 तय की है। सामने आ रही खबरों के मुताबिक, फिल्म में टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य दो मुख्य नायकों के रूप में नज़र आएंगे। दो एक्शन-ओरिएंटेड हीरोज़ के एक साथ आने से यह साफ है कि दर्शकों को पर्दे पर न केवल लव स्टोरी और रोमांस देखने को मिलेगा, बल्कि भरपूर और हाई-ऑक्टेन एक्शन का रोमांच भी महसूस होगा।

धर्मा प्रोडक्शंस हमेशा से युवा कलाकारों के साथ बड़े बजट के मनोरंजक प्रोजेक्ट्स बनाने के लिए जाना जाता है। ऐसे में टाइगर श्रॉफ के खतरनाक स्टंट्स, लक्ष्य का उभरता हुआ स्क्रीन प्रेजेंस और जाह्नवी कपूर की ग्लैमरस अदाकारी का संयोजन इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा दांव बनाता है। जहां टाइगर को पहले ही देश के शीर्ष एक्शन सितारों में गिना जाता है, वहीं लक्ष्य ने भी अपनी पिछली फिल्मों से अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है।

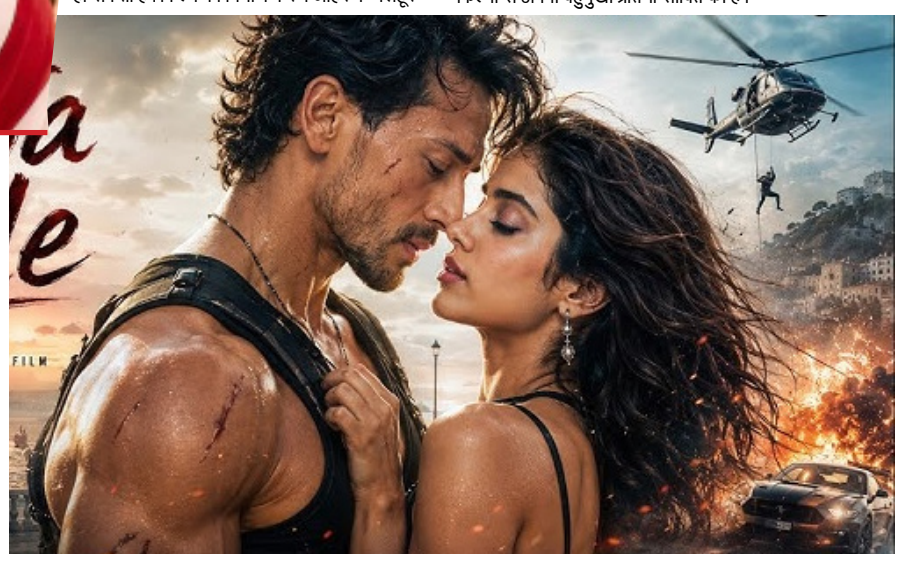

मां इंटि बंगारम ने बनाया रिकॉर्ड, बनी 2026 की तमिल की मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फीमेल लीड फिल्म मां इंटि बंगारम की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई है. इसकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं. फिल्म ने इंडिया में तो बवाल काटा ही साथ ही नॉर्थ अमेरिका में भी शानदार प्रदर्शन किया. इसने 100त्न से ज्यादा का प्रॉफिट भी कमा लिया है. चलिए बताते हैं फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में कितना कमाया. फिल्म मां इंटि बंगारम ने नॉर्थ अमेरिका में भी जबरदस्त कमाई की है. फिल्म को 19 जून को रिलीज किया गया था और अमेरिका में प्रीमियर में इसने $280के की अच्छी कमाई की, जबकि पहले दिन (प्रीमियर मिलाकर) कुल $533.4के की कमाई की. नॉर्थ अमेरिका में फिल्म सक्सेसफुल रही. रिपोर्ट के अनुसार, इसने 2.082 मिलियन डॉलर की कमाई की, जो कि इंडियन रूपये में 20.1 करोड़ के बराबर है. इसी के साथ ही फिल्म मां इंटि बंगारम 2026 की तमिल की मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म बन चुकी है. कोईमोई के अनुसार, इसने 1 मिलियन डॉलर यानी कि 9.66 करोड़ कमाए. जबकि फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 2.082 मिलियन डॉलर रहा. इस लिहाज से फिल्म ने 1.082 मिलियन यानी कि 10.82 करोड़ का प्रॉफिट कमाया. फिल्म ने 108.2त्न का प्रॉफिट कमा लिया. बहरहाल, अगर फिल्म मां इंटि बंगारम के बारे में बात की जाए तो इसमें सामंथा रुथ प्रभु लीड रोल में हैं, जिन्होंने एक हाउस वाइफ का रोल तो प्ले किया है साथ ही एक एक्शन वाला अवतार भी दिखाया है, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए कुछ भी करती हैं. सामंथा की ये पहले एक्शन मोड वाली फीमेल लीड फिल्म है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया. इतना ही नहीं, मां इंटि बंगारम सामंथा की पहली फिल्म है, जिसने बतौर फीमेल एक्ट्रेस 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मारी है. ये एक दमदार फिल्म साबित हुई है. प्री प्रेग्नेंसी ये एक्ट्रेस की लास्ट फिल्म है.

नरगिस फाखरी का तेलुगू डेब्यू, नेनु रेडी के कोनचम कोनचम गाने से मचाया धमाल

नरगिस फाखरी ने फिल्म नेनु रेडी से तेलुगू इंडस्ट्री में कदम रखा है, जिसका पहला गाना कोनचम कोनचम अब जारी हो गया है। इस गाने में हवीश और काव्या थापर की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जबकि नरगिस इसमें एक खास भूमिका में दिखेंगी। श्रिनाधा राव नक्किने के निर्देशन में बनी और कोनेरू सत्यनारायण व निखिला कोनेरू द्वारा हार्निक्स इंडिया एलएलपी के बैनर तले निर्माता की गई यह फिल्म टॉलीवुड में एक नई जान फूंकने वाली लग रही है। कोनचम कोनचम एक खुशनुमा और रोमांटिक गाना है, जिसे मिकी जे मेयर ने कंपोज किया है और समीरा भरद्वाज ने अपनी आवाज दी है। इसके बोल सरस्वतीपुत्र रामजोगय शास्त्री ने लिखे हैं। फिल्म में मुख्य किरदारों के अलावा, आपको ब्रह्मानंदम, वेनेला किशोर और मुरली शर्मा जैसे जाने-पहचाने चेहरे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपने कैची म्यूजिक और शानदार विजुअल्स के साथ, नेनु रेडी तेलुगू सिनेमा के नए दौर के प्रशंसकों को खूब पसंद आ सकती है।

'मेरी मां ही मेरा रब हैं', मां के लिए सनी देओल का पोस्ट

'बंटवारा 1947' का ट्रेलर जल्द होगा रिलीजः मां के साथ तस्वीर शेयर कर सनी देओल ने दिया बड़ा अपडेट वर्ष 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'बंटवारा 1947' को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित इस भव्य फिल्म का निर्माण 'आमिर खान प्रोडक्शंस' के बैनर तले हुआ है, जबकि इसका निर्देशन दिग्गज फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी ने किया है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे बॉलीवुड सुपरस्टार सनी देओल इन दिनों अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। सनी ने अपनी मां प्रकाश कौर के साथ एक बेहद खूबसूरत और भावुक तस्वीर साझा करते हुए इस फिल्म को अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित किया है। इसके साथ ही उन्होंने फैंस को खुशखबरी देते हुए फिल्म के आधिकारिक ट्रेलर रिलीज की जानकारी दी है, जिससे सिनेमा प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।

जब से इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ है, तब से ही बॉक्स ऑफिस और दर्शकों के बीच इसे लेकर जबरदस्त माहौल बना हुआ है। 'घातक', 'घायल' और 'दामिनी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के करीब तीन दशक बाद सनी देओल और राजकुमार संतोषी का एक साथ आना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। वहीं आमिर खान का बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ना इसके स्तर को और बड़ा बनाता है।

फिल्म के अब तक जारी हुए पोस्टर्स और टीजर्स को जनता का भरपूर प्यार मिला है। इन झलकियों ने फिल्म की भावुक और गंभीर कहानी की गहरी छाप छोड़ी है। भारत के विभाजन के दर्दनाक दौर पर बनी यह फिल्म केवल इतिहास के पन्नों को ही नहीं पलटेगी, बल्कि उस कठिन समय में मानवीय रिश्तों, प्यार, त्याग और अटूट हिम्मत की एक दिल छू लेने वाली गाथा पेश करेगी।

देसी लुक में छाईं अवनीत कौर, गुलाबी सलवार-सूट में दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ वह अपने कमाल के फैशन सेंस और बोल्ड चॉइस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में अवनीत ने इंस्टाग्राम पर एथनिक लुक में कुछ बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में अवनीत कौर ने गहरे गुलाबी रंग का पारंपरिक सलवार-सूट पहने नजर आ रही हैं। उनके कुर्ते के नेकलाइन और स्लीव्स पर गोल्डन जरी और गोटा-पत्ती का हैवी वर्क है, जो उन्हें एक रॉयल लुक दे रहा है। इसके साथ ही अवनीत ने मैचिंग की नेट की चुनरी कैरी की है, जिस पर छोटी-छोटी चमकीली बूटियों का काम है। पटियाला स्टाइल सलवार और स्लीव्स पर बने कट-डिज़ाइन उनके पूरे आउटफिट को पारंपरिक होने के साथ-साथ ट्रेंडी और मॉडर्न टच दे रहे हैं। अवनीत का हेयर स्टाइल उनके इस देसी लुक को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। उन्होंने अपने बालों को हाफ-अप, हाफ-डाउन स्टाइल में ट्विस्ट करके पीछे पिन किया हुआ है, जबकि बाकी के बालों को सॉफ्ट कर्ल्स के साथ खुला छोड़ दिया है। मेकअप की बात करें तो उन्होंने ग्लोइंग बेस के साथ न्यूड विंग्ड आईलाइनर, पिंक ब्लश और ग्लॉसी लिप्स चुने हैं। माथे पर लगी एक छोटी सी काली बिंदी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है।

पीने का पानी सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये तरीके

पीने का पानी सेहत के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन अगर यह गंदा हो जाए तो इससे कई बीमारियां हो सकती हैं। गंदे पानी के कारण दस्त, पीलिया, पोलियो और हैजा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पीने का पानी साफ और सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने घर में पीने का पानी साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। पानी को उबालना एक आसान और असरदार तरीका है, जिससे आप उसे कीटाणुओं और जीवाणुओं से मुक्त कर सकते हैं। पानी को उबालने से पहले उसे एक पैन या बर्तन में डालें और उसे कम से कम 5-10 मिनट तक उबालें। इसके बाद इसे ठंडा करके किसी साफ बोतल या बर्तन में भर लें और ठंडे स्थान पर रख दें। इस तरह से पानी पीने के लिए सुरक्षित हो जाएगा। क्लोरीन की गोलियां भी पानी को साफ करने का एक अच्छा तरीका है। ये गोलियां पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु और वायरस को मार देती हैं। इन्हें इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले एक लीटर पानी में एक क्लोरीन की गोली डालें और उसे अच्छे से हिलाएं। 30 मिनट बाद यह पानी पीने के लिए तैयार हो जाएगा। ध्यान रखें कि इस पानी को सीधे धूप में न रखें क्योंकि इससे क्लोरीन की ताकत कम हो सकती है। जल शुद्धिकरण मशीन नई तकनीक पर आधारित होती है, जो पानी को छानकर उसे साफ करती है। यह मशीन पानी की गंदगी को हटाकर उसे पीने योग्य बनाती है।

इस मशीन का उपयोग करने से न केवल पानी साफ होता है बल्कि इसका स्वाद भी बेहतर हो जाता है। इसे घर में लगाने से आप हर समय साफ और सुरक्षित पानी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे परिवार के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक तरीके जैसे कि सूरज की किरणों का उपयोग करके भी पानी को साफ किया जा सकता है। इसके लिए पानी को साफ कांच या प्लास्टिक बोतल में भरकर उसे सूरज की रोशनी में रख दें। लगभग 6 घंटे बाद यह पानी पीने योग्य हो जाएगा। इन तरीकों का पालन करके आप अपने घर में पीने के लिए साफ और सुरक्षित पानी उपलब्ध करा सकते हैं।

Sarnath joins Unesco World Heritage list

New Delhi, Agency: India's ancient Buddhist site of Sarnath in Uttar Pradesh was on Saturday inscribed on the UNESCO World Heritage List, becoming India's 45th site to receive this recognition. India ranks sixth globally and second in Asia Pacific Region for the most number of 'World Heritage Sites'.

Interestingly, the ancient site of Sarnath was included in the tentative list of world heritage in 1998. The proposal to include the site in the list of world heritage was sent for the consideration of the

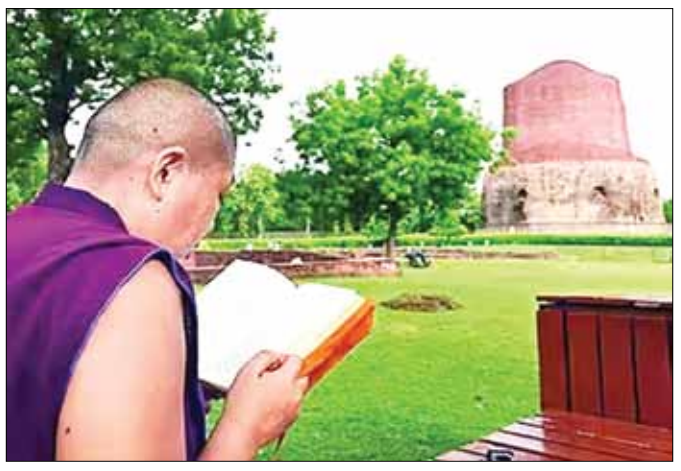

World Heritage Committee in Jan 2025. The decision on the inscription was taken at the 48th session of the World Heritage Committee being held at Busan, South Korea.

Prime Minister Narendra Modi lauded the historic milestone. "A proud moment for every Indian! Delighted that Sarnath in Uttar Pradesh has been inscribed on the UNESCO World Heritage List. Sarnath has a close association with Lord Buddha, whose timeless message of wisdom, compassion and harmony inspires the world," the PM said in a post on X.

"This recognition celebrates India's profound civilisational and spiritual heritage. It will also inspire more people across the world to come to Sarnath and connect with the ideals of Lord Buddha," the PM added.

Culture minister Gajendra Shekhawat said that the inscription reaffirms India's enduring role as the cradle of ideas that continue to inspire the world across generations.

"The serial property contains the architectural and archaeological remains of Sarnath, the sacred site where the Buddha is believed to have delivered his first sermon in the 6th century BCE and met his earliest disciples," the description of the newly inscribed site highlights on the UNESCO website.

"Identified by the Buddha himself as one of the four principal Buddhist pilgrimage sites, Sarnath grew over many centuries through royal, monastic, and lay patronage, resulting in the construction of numerous stupas, temples, and viharas," it added. "After flourishing as a major Buddhist centre, Sarnath declined in the 12th century CE and fell into obscurity until its rediscovery in the 18th century. Today preserved as two archaeological zones, it remains both an important tourist destination and a revived pilgrimage site for Buddhists worldwide," UNESCO states.

BRIFF NEWS

Piyush Goyal files police complaint over deep-fake video; FIR lodged

New Delhi, Agency: Union Commerce Minister Piyush Goyal on Saturday filed a police complaint after a deep-fake video purportedly showing him making inflammatory remarks against the Cockroach Janta Party (CJP) went viral on social media.

In a post on X, he said the video was fake and had been manipulated using artificial intelligence (AI). In the said video, Goyal can be heard "threatening" protesting students. Many social media links related to the video had been taken down, government sources said. An investigation by the Press Information Bureau (PIB) Fact Check also found that it was a fabricated video. It said the viral clip was doctored and was being circulated by Pakistan-backed propaganda social media accounts with the alleged intent of misleading people and inciting unrest amid the ongoing student protests in Delhi.

Sirsa Hosts CBSE Swimming Championship

New Delhi, Agency: The four-day CBSE North Zone-2 Boys' Swimming Championship began in Sirsa on Saturday, with more than 1,200 swimmers from over 356 CBSE schools across North India taking part. The event is being hosted by Shah Satnam Ji Girls' School. The championship was inaugurated by Anil Khatri, Vice-President of the Swimming Federation of India and the Haryana Olympic Association, and General Secretary of the Haryana Swimming Association.

Amarnath Yatra Resumes via Baltal

New Delhi, Agency: After remaining suspended for six days due to inclement weather, the annual Amarnath Yatra resumed on Saturday, with authorities allowing the pilgrimage only through the Baltal route while keeping the traditional Pahalgam route temporarily closed for repairs. The pilgrimage had been suspended on July 19 as a precautionary measure following persistent rainfall and adverse weather conditions that affected both the 48-km Pahalgam route in Anantnag district and the 14-km Baltal route in Ganderbal district leading to the 3,880-metre-high holy cave shrine.

Nepal eases rules on Indian currency, allows Rs 200 and Rs 500 notes up to Rs 25,000

New Delhi, Agency: Nepal has eased restrictions on the movement of Indian currency, allowing Indian and Nepali citizens to carry Indian Rs 200 and Rs 500 notes issued after November 9, 2016. According to the Nepal Rastra Bank (NRB), the permitted notes can be carried into or taken out of Nepal up to a limit of Rs 25,000 per person. According to news agency PTI, the revised rules permit citizens of both countries to bring the approved currency notes into Nepal, carry them within the country, or take them

out, subject to existing regulations.

In its latest notice, the NRB clarified that older Indian currency notes issued before the 2016 demonetisation period will continue to remain prohibited in Nepal. The NRB added that only redesigned Indian Rs 500 notes and Rs 200 notes introduced after November 9, 2016, will be permitted under the new arrangement.

The central bank had initially published the provision in the Nepal Gazette on February 11. However, it issued another notice on Thursday to clarify the implementation process and address concerns over cross-border currency movement. NRB spokesperson Guru Prasad Paudel said Nepali citizens would not be allowed to bring Indian currency into Nepal from countries other than India.

CRPF to do post-analysis of RAF action in NEET protests, says DG 47 RAF personnel injured

New Delhi, Agency: CRPF director general Gyanendra Pratap Singh on Saturday said the force would conduct a professional post-analysis of the action taken by personnel of Rapid Action Force (RAF), a unit of CRPF, against anti-NEET paper leak protestors, including during the July 20 march to Parliament. "Now, since agitation has been called off, and once assembled people disperse, we would make a professional post-event assessment, like we do after every major assignment, and then let you know of the view of force headquarters," Singh told Media on Saturday. This is the first official statement from CRPF in the wake of allegations that pellet guns were used against protestors during the July 20 march to Parliament.

Three people have claimed to have suffered pellet injuries in the police action. At least 47 RAF personnel too sustained injuries, allegedly from violent elements in the protests.

Sources said the post-event assessment by CRPF will go into all possible aspects of RAF deployment during the protests. This would include action taken by RAF personnel against the protestors, riot-control gear used by them and whether the ground situation justified it. It will examine if the RAF response was graded and in line with the standard operating procedures and riot control manual.

An officer said the CRPF will also examine the provocation and aggression that the RAF personnel likely faced at the hands of external, motivated elements who may have infiltrated the protests.

CRPF sources said of the 47 RAF personnel injured during the course of their deployment for protests in the Capital, six have sustained head injuries and four, fractures.

4 ministers, 1 decade: How education policy evolved under BJP regime

New Delhi, Agency: Since 2014, India has seen four leaders serve as education ministers: Smriti Irani, Prakash Javadekar, Ramesh Pokhriyal 'Nishank' and Dharmendra Pradhan. Of them, only Pradhan completed a five-year tenure in the role. A notable change during this period was the renaming of the MHRD as the Ministry of Education on July 29, 2020, following the adoption of the National Education Policy (NEP) 2020. Smriti Irani became the Minister of Human Resource Development (MHRD) on May 26 2014 and continued till July 5 2016. She oversaw the rollback of Delhi University's controversial Four-Year Undergraduate Programme (FYUP) which was backed by the then HRD minister Kapil Sibal in 2013. The National Institutional Ranking Framework (NIRF) to rank higher education institutions was launched by the Irani in 2015. Under her tenure the Global Initiative of Academic Networks (GIAN) was expanded to bring international faculty to Indian institutions and schemes such as Udaan and Pragati to encourage girls' participation in engineering education were promoted. In 2016 she was shifted to the textiles ministry during the Cabinet reshuffle.

Pralhad Joshi, man with a low profile & an effective style

New Delhi, Agency: Pralhad Venkatesh Joshi, the new Union education minister, is one of BJP's most experienced parliamentarians and has been in PM Narendra Modi's Cabinet since 2019. The five-time MP from Karnataka also served as president of BJP's Karnataka unit and played a key role in expanding party's footprint in the state before coming to the Centre.

Known for his low-profile yet effective style, Joshi has handled important parliamentary and ministerial responsibilities over the years. Before his latest assignment as education minister, he was in charge of consumer affairs, food and public distribution, and new and renewable energy ministries, portfolios that will stay with him.

In 2019, he was sworn-in as cabinet minister and given charge of the portfolios of parliamentary affairs, coal and mines until 2024. As parliamentary affairs minister, he handled the passage of key legislation, including the abrogation of Article 370 and the Women's Reservation Bill.

45% of Indian exports to US exempt from new tariff: Govt

New Delhi, Agency: India has been placed in the lower tariff tier under the United States' final Section 301 measures on forced labour-related imports, with Indian goods attracting an additional 10 per cent duty instead of the initially proposed 12.5 per cent levy, the government said on Saturday. It said around 45 per cent of the exports to the US would remain exempt from the new tariff.

The US on Friday announced the additional tariff on imports from India and 60 other economies over concerns related to the use of forced labour in manufacturing. New Delhi said sustained engagement with US authorities during the investigation helped secure the lower tariff tier and minimise the impact on Indian exports. The government had made detailed submissions, held consultations and participated in public hearings during the United States Trade Representative's

(USTR) probe.

Highlighting the exemptions under the final measures, the government said around 45 per cent of India's exports to the US would remain outside the ambit of the additional duty.

Key export sectors, including generic pharmaceuticals, smartphones and certain specified products that currently attract zero additional duties, will remain exempted. Products already covered under separate Section 232 measures, including steel, aluminium and auto parts, will also not attract the additional duty. The remaining 55 per cent of exports will face the additional 10 per cent duty.

Ludhiana police arrest Rajasthan man in Rs 2.5-cr cyber fraud case

New Delhi, Agency: The cybercrime wing of the police arrested a Rajasthan resident over alleged involvement in a Rs 2.5-crore fraud with a local firm. The accused, Manvender Singh, a resident of Jodhpur in Rajasthan, is the key suspect in the case and was arrested following raids at various places in Rajasthan.

The police said approximately Rs 18 lakh were recovered and returned to the victim.

According to inspector Satbir Singh, in-charge, Cyber Crime Police Station, preliminary investigation had found that Manvender Singh and his associates claimed to be owners of a firm based here and duped its manager.

Kargil lessons shaped Operation Sindoor Former army chief General VP Malik

Chandigarh, Agency: Twenty-seven years after leading the Army during the 1999 Kargil War, former Army chief General VP Malik (retd) said the conflict's hard lessons - from equipment shortages and intelligence gaps to the need for self-reliance - transformed India's military capabilities, enabling the precision strikes on Pakistani airfields during last year's Operation Sindoor without crossing the border.

"The biggest operational lessons were the need to strengthen intelligence, surveillance and achieve 'atmanirbharta (self-reliance)' in military hardware," Gen Malik told Media in an interview ahead of the 27th anniversary of Kargil Vijay Diwas. Those lessons, he said, shaped India's military preparedness over the next two decades.

Citing Operation Sindoor, he pointed to the armed forces' growing reliance on short- and long-range drones for surveillance and precision strikes, along with advanced rockets and missiles. "We did not have to enter Pakistani territory when we struck airfields and radar stations, causing major havoc," he said, contrasting it with Kargil.

He said indigenous and imported platforms, including BrahMos, Akash and the S-400, were now tested in real-world conditions.